Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 177
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-रविवार,26 अक्टूबर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

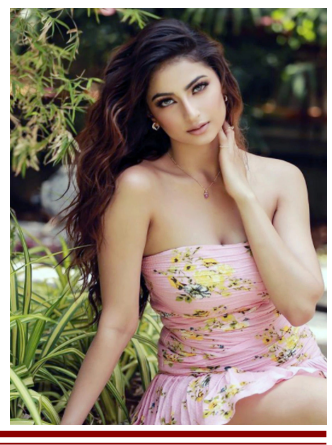

3 ब्रजलाल ने सफाई कर्मियों को बताया बांग्लादेशी 4 जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव में उलटफेर ने भाजपा 5 पलक तिवारी का सिजलिंग लुक

खगड़िया में गरजे अमित शाह

'लालू-राबड़ी की वापसी मतलब फिर से जंगलराज! विकास ही एनडीए का लक्ष्य'

खगड़िया (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खगड़िया में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार को फिर कभी जंगलराज का शिकार नहीं होने देंगे और राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खगड़िया में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को छठ पर्व के अवसर पर संबोधित करते हुए बिहार के विकास और सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार कभी जंगलराज का शिकार नहीं होगा और बहू-बेटियां सुरक्षित रहेंगी। अमित शाह ने कहा, मैं छठ मैया से यही प्रार्थना करता हूं। मुझे लगा था कि छठ पर्व के बीच कौन आएगा, लेकिन पूरा पंडाल भर गया है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव विधायक या मुख्यमंत्री चुनने का नहीं, बल्कि बिहार में विकास की दिशा तय करने वाला है। उन्होंने कहा, लालू-राबड़ी की सरकार आई तो जंगलराज वापस आएगा, वहीं एनडीए की सरकार आई तो विकसित बिहार पूरे भारत में अपना डंका बजाएगा। 'घोटालों के रिकॉर्ड वाले लोग महागठबंधन में' शाह ने महागठबंधन सरकार पर कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लालू यादव ने लैंड फॉर जॉब और अलकतरा जैसे बड़े घोटाले किए हैं। उन्होंने कांग्रेस के दस साल के शासनकाल को भी घोटालों से भरा बताया। शाह ने आरोप लगाया कि बिहार और केंद्र में घोटालों के रिकॉर्ड वाले लोग महागठबंधन में हैं, जो बिहार के विकास का बीड़ा कभी उठा नहीं सकते। चुनावी माहौल गरमा गया केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि बिहार का विकास केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में संभव है। उन्होंने ग्रामीण विकास, सुरक्षा व्यवस्था और रोजगार सृजन को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को बहुमत दिलाने की अपील की। खगड़िया की इस जनसभा में अमित शाह की धमाकेदार उपस्थिति और तगड़े आरोपों ने चुनावी माहौल गरमा दिया है। बिहार के लोगों के लिए यह चुनाव विकास का समय है, न कि फिर से जंगलराज के अंधकार में लौटने का।

हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी नाराजगी, भूमि विवाद मामले में एमपी सरकार ने दायर की थी अपील

नईदिल्ली (एजेंसी)। भूमि विवाद के एक मामले में मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पौने पांच साल की देरी से दायर अपील को स्वीकार करने के हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। शीर्ष अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी किया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अपील दायर करने में चार वर्ष नौ महीने की देरी को माफ करना हाईकोर्ट की विवेकहीनता को दशार्ता है। याचिकाकर्ता के वकील दुष्यंत पाराशर ने पीठ के समक्ष दलील दी कि हाईकोर्ट ने कानून के स्थापित सिद्धांतों की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपने पूर्व फैसलों में स्पष्ट कर चुका है कि राज्य को देरी माफ करने में कोई विशेष छूट नहीं दी जा सकती। पाराशर ने कहा कि सरकार ने अपील दाखिल करने में घोर लापरवाही दिखाई है और सिर्फ सरकारी प्रक्रिया में देरी का हवाला देना पर्याप्त कारण नहीं है। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ शंकरगिर की विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार करते हुए पीठ ने राज्य सरकार समेत अन्य प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने को कहा। इस मामले में अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। तहसीलदार का आदेश किया था रद्द शंकरगिर ने 2002 में रतलाम जिले में 3.870 हेक्टेयर कृषियोग्य भूमि एक नीलामी के माध्यम से खरीदी थी। 2010 में तहसीलदार ने आदेश दिया कि यह भूमि मठ नव दुर्गा मंदिर की संपत्ति है।

अलीगढ़ में मंदिरों की दीवारों पर आई लव मोहम्मद लिखा मिलने से तनाव, आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ जिले के लोधा थाना क्षेत्र में शनिवार को दो निकटवर्ती गांवों के पांच मंदिरों की दीवारों पर आई लव मोहम्मद लिखा मिलने के बाद तनाव फैल गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, भगवानपुर और बुलाकीगढ़ गांव में मंदिरों की दीवारों पर यह नारा मिलने के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया और जांच शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नीरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खोजी कुत्तों के साथ घटनास्थलों पर पहुंचे। अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मुस्तकीम, गुल मोहम्मद, सुलेमान, सोनू, अल्लाहबख्श, हमीद और यूसुफ समेत आठ लोगों के

दलित विरोधी भाजपा से डरना नहीं, लड़ना है, कथित पेशाब कांड पर बोले जीतू पटवारी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में एक व्यक्ति के साथ हुई कथित अमानवीय घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर एक बार फिर हमला बोला है। पटवारी ने इससे जुड़ी मीडिया में आई खबरों को लेकर सोशल मीडिया पर कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार दलित विरोधी है। यह बयान नहीं, सबूत वाली सच्चाई है। उन्होंने कहा कि राज्य में दबंगों का डर दलितों की धड़कन बढ़ा रहा है। सत्ता-संरक्षण ने पुलिस,प्रशासन को भी पंगु बना दिया है। दलित समाज उत्पीड़न और अपराध के एक-एक दर्द को याद रखे और एक-एक सरकारी-अत्याचार का हिसाब रखे। जुल्मी-जंगलराज को हम मिलकर खत्म करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमें दलित विरोधी भाजपा से डरना नहीं, लड़ना है। कटनी में कुछ दबंगों ने पिछले दिनों एक युवक के चेहरे पर कथित तौर पर पेशाब कर दिया। आरोप है कि इस व्यक्ति ने कुछ लोगों को शासकीय जमीन पर अवैध खनन करने से रोका था, जिसके बाद आरोपियों ने उसके साथ अमानवीय हरकत की। पीड़ित युवक को पुलिस सुरक्षा दी गई है, लेकिन घटना के 10 दिन बीत जाने के बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे जुड़े कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

राजद कार्यालय के बाहर लगा बड़ा पोस्टर, तेजस्वी को बताया बिहार का नायक

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पटना स्थित केंद्रीय कार्यालय के बाहर एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है, जिसमें पार्टी के नेता तेजस्वी यादव को शिबहार का नायकश के रूप में बताया गया है। पोस्टर पर तेजस्वी की प्रमुख तस्वीर के साथ लिखा नारा बिहार का नायक चुनावी माहौल को नया रूप दे रहा है। यह पोस्टर महागठबंधन की ओर से तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के ठीक बाद लगाया गया है, जो विपक्षी दलों के बीच एकजुटता का संदेश दे रहा है। राजद कार्यकताओं का दावा है कि यह पोस्टर जल्द ही पूरे बिहार के घर-घर और गांव-गांव तक पहुंचेगा, ताकि जनता को 20 साल पुरानी खटारा सरकार से मुक्ति दिलाने का संदेश दिया जा सके। तेजस्वी यादव ने हाल ही में एक रैली में कहा था कि मैं बिहार का बेटा हूं।

नहाय-खाय के साथ छठ पर्व का शुभारंभ, 36 घंटे का निर्जला व्रत, महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

देहरादून (एजेंसी)। छठ महापर्व का शुभारंभ हो गया है। नहाय खाय के साथ ही व्रत की शुरूआत होती है। इस दिन व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। नहाय-खाय वाले दिन से ही

छठ का प्रसाद बनाने की तैयारी शुरू कर दी जाती है। व्रती के साथ घर के सदस्य मिलकर इसकी तैयारी करते हैं। छठ का प्रसाद बनाने के लिए चूल्हा और बर्तन बिल्कुल अलग होता है। इसके अलावा व्रती और परिवार के सदस्यों को लहसुन, प्याज इत्यादि खाना वर्जित होता है। नहाय खाय के साथ ही निर्जला व्रत भी शुरू हो जाता है। नहाय खाय के साथ आज शनिवार से छठ महापर्व शुरू हो गया है। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया। हरिद्वार में पूर्वांचल समाज के लोगों ने नहाय-खाय के साथ इस पवित्र पर्व का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विष्णुलोक कॉलोनी से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर उमाकांतानंद सरस्वती महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कलश यात्रा में पूर्वांचल समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पारंपरिक वेशभूषा में कलश सिर पर रख कर यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा में कई स्थानीय नेता और समाजसेवी भी पहुंचे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजबीर चौहान ने कहा कि छठ पर्व अब न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति की गहराई और परिवारिक एकता का प्रतीक है। महिलाओं ने आज नहाय-खाय के साथ व्रत की शुरूआत कर दी है और आने वाले दिनों में वे अपने पति व परिवार की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए निर्जला व्रत रखकर डूबते सूर्य देव को अर्ग अर्पित करेंगी। कलश यात्रा विष्णुलोक कॉलोनी से प्रारंभ होकर विभिन्न कॉलोनियों से होते हुए प्रेम नगर आश्रम घाट पर संपन्न हुई। दून में 23 से अधिक घाटों पर छठ पूजा होगी। छठ महापर्व के पहले दिन शनिवार को नहाय खाय होगा। इसके बाद से ही निर्जला व्रत भी शुरू हो जाएगा। चार दिन तक छठ पूजा की रस्में होंगी।

पीएम समेत गृह मंत्री अमित शाह ने दी छठ पर्व की शुभकामनाएं, बताया संस्कृति का विराट उत्सव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। छठ पूजा के मौके पर सूर्य देवता की उपासना की जाती है और यह पूरे देश, विशेष तौर पर बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन।मोदी ने मशहूर गायक शारदा सिन्हा का एक गाना भी साझा किया, जिनके दिल को छू लेने वाले गानों से त्योहार का जोश और बढ़ जाता है। मोदी ने कहा कि वह शुक्रवार को बेगूसराय में थे, जिस जगह से सिन्हा का एक आत्मीय रिश्ता था। मोदी ने कहा, हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है, उसमें पारिवारिक और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा। उन्होंने कहा, आज विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार, इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें।उन्होंने कहा, छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।उन्होंने कहा, मेरा सौभाग्य है कि कल ही, मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से, छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज से शुरू चार दिवसीय महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। शाह ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा श्श्परंपरा, आस्था और सामाजिक समरसता के उत्सव छठ पूजा के नहाय-खाय की सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने कहा कि छठी मैया से सभी के सुख और समृद्धि की प्रार्थना करता हूँ।

भाजपा ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव आयोग में दर्ज कराई शिकायत

एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर लगाए गंभीर आरोप बिहार

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से एक एआई जनरेटेड भ्रामक वीडियो शेयर किया, जिसमें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गलत तरीके से दर्शाया गया है। भाजपा की शिकायत में कहा गया कि यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के

जरिए तैयार किया गया और इसमें भ्रामक व असत्य बयान शामिल हैं, जिनका उद्देश्य मतदाताओं की धारणा को प्रभावित करना और चुनावी माहौल को दूषित करना है। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा कि तेजस्वी यादव की ओर से शेयर वीडियो चुनाव आयोग की हालिया एडवाइजरी का सीधा उल्लंघन है। भाजपा ने यह भी कहा कि वीडियो मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है। पार्टी ने आरोप लगाए कि एआई निर्मित और डीपफेक वीडियो का सहारा लेकर तेजस्वी यादव ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों का झूठा चित्रण और चरित्र हनन किया है, जो आदर्श आचार संहिता का सीधा और गंभीर उल्लंघन है। इसके अलावा, शिकायत में कहा गया है कि तेजस्वी यादव का आचरण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के तहत गंभीर वैधानिक उल्लंघनों को भी दशार्ता है। यह कृत्य धारा 123(4) के अंतर्गत भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है, क्योंकि इसमें चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के इरादे से किसी भी उम्मीदवार के व्यक्तिगत चरित्र या आचरण से संबंधित या किसी भी उम्मीदवार की उम्मीदवारी या नाम वापसी के संबंध में किसी भी झूठे तथ्य का प्रकाशन शामिल है।

पीएम मोदी से मिले एकनाथ शिंदे, डेढ़ घंटे तक हुई चर्चा

बिहार में अति-पिछड़ा वर्ग से कोई डिप्टी सीएम बनता है तो अमित शाह को इतनी नफरत क्यों: तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय

जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समस्तीपुर रैली में लालटेन वाले बयान पर पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी लालटेन पर अटकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन महागठबंधन रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जनता के मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार की जनता बदलाव के मूड में है। लोग इस सरकार से तंग आ चुके हैं, जहां अधिकारी भ्रष्ट हैं, रिश्वतखोरी व्याप्त है और अक्षमता चरम पर है। पूरा माहौल महागठबंधन के पक्ष में है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता इस स्थिति में बदलाव लाएगी और महागठबंधन की सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता अब जागरूक है और पुरानी व्यवस्था को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के भाषण को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि उनके हर शब्द में नकारात्मकता थी। उन्होंने बिहार को बदनाम करने वाली बातें कीं, कोई सकारात्मक या फलदायी बात नहीं कही। 11 साल से प्रधानमंत्री मोदी हैं, बिहार को क्या दिया? गुजरात में बुलेट ट्रेन, इंटरनेशनल स्टेडियम और फैक्ट्रियां दी गईं, लेकिन बिहार में कितनी बार इन्वेस्टर मीट हुई?

प्रधानमंत्री मोदी का है यह दशक, नीतीश कुमार के लिए प्रचार करूंगा: नायडू

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू मौजूदा दशक को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दशक बताते हुए कहा कि उन्हें आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर पूरा विश्वास है। नायडू ने यह भी कहा कि वह बिहार में राजग उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। ह्यपीटीआई वीडियो को दिए एक विशेष साक्षात्कार के दौरान नायडू ने केंद्र की राजग सरकार को प्रगतिशील बताया और कहा कि यह आम आदमी के हित के लिए कई सुधार ला रही है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के

नेतृत्व वाली राजग सरकार ने एक वर्ष के अंदर ही सुपर सिक्स चुनावी वादों को सफलतापूर्वक पूरा कर दिया है। नायडू ने कहा कि आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील के प्रस्तावित 7.3 मिलियन टन प्रति वर्ष (प्रारंभिक क्षमता) वाले इस्पात संयंत्र की आधारशिला अगले महीने आंध्र प्रदेश में रखी जाएगी। उन्होंने कहा, भारत में बहुत ही दिलचस्प चीजें हो रही हैं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री सालों से राजनीति में हैं। वह हमेशा चुनाव जीतते रहे हैं। पहले वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। 2014 से अब तक, यानी 11 वर्षों से वह प्रधानमंत्री हैं। अब और चार वर्ष तक वह रहेंगे। नायडू ने कहा, यह दशक नरेन्द्र मोदी का है। और जब यह दशक नरेंद्र मोदी जी का है, तो स्वाभाविक रूप से यह भारतीयों का भी है। नायडू ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सत्तारूढ़ राजग अगले महीने होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए प्रचार करेंगे, तो उन्होंने उत्तर दिया, हां। जब भी राजग मुझे बुलाएगा, मैं जाने और उनके साथ काम करने के लिए तैयार हूं। हाल ही में जीएसटी दरों में युक्तिसंगत बनाए जाने को सभी के लिए लाभदायक बताते हुए नायडू ने कहा कि इससे उपभोक्ताओं की काफी बचत हो रही है और एमएसएमई क्षेत्र तथा अन्य व्यापारी भी खुश हैं।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-रविवार,26 अक्टूबर 2025

गोरखपुर जं. स्टेशन पर बनाये गये यात्री आश्रय स्थल का दृश्य

गोरखपुर,: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर अपने घरों को आये यात्रियों की सहज, सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिये पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन पूरी तरह तैयार है। पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर देश के प्रमुख नगरों- दिल्ली, अमृतसर, अम्बाला, मुम्बई, पुणे, कोलकाता, आसनसोल, पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, धनबाद, राँची, डिब्रुगढ़, गुवाहाटी, जोधपुर, श्री गंगानगर, वडोदरा, सूरत, राजकोट, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलूरू, झाँसी आदि के लिये 199 पूजा विशेष ट्रेनें 2,913 फेरों में चलाई जा रही हैं। भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष त्योहारों के अवसर पर 12,000 से अधिक पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा के विशेष प्रबन्ध के साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। यात्रियों को स्टेशन पर विश्राम करने तथा ट्रेनों की प्रतीक्षा हेतु इस रेलवे के गोरखपुर, बनारस, बलिया, छपरा एवं सीवान आदि स्टेशनों पर यात्री आश्रय स्थल बनाया गया है। इन यात्री आश्रय स्थलों में यात्रियों के बैठने की पूरी व्यवस्था की गई है, साथ ही साथ समूचित प्रकाश व्यवस्था, पंखा, कूलर, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, शुद्ध पेय जल, सहायता बूथ, मोबाइल यू.टी.एस., प्राथमिक चिकित्सा आदि का व्यापक प्रबन्ध किया गया है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुये प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम., मोबाइल यू.टी.एस. तथा फैसिलिटेटर नियुक्त किये हैं ताकि यात्रियों को टिकट बुकिंग में कोई कठिनाई न हो। यात्रियों की सुविधा के लिये त्वरित भुगतान हेतु जनरल टिकट काउंटर सहित रिजर्वेशन काउंटर पर क्यू.आर. कोड उपलब्ध कराया गया है। सकुर्लेटिंग एरिया को वाहन फ्री रखने हेतु व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं, जिससे त्यौहारों के समय यात्रियों का सुगम आवागमन आसान हो सके। स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण के लिये सी.सी.टी.वी. कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त, रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा राजकीय रेलवे पुलिस (जी.आर.पी.) के साथ समन्वय स्थापित कर स्टेशन की निगरानी की जा रही है। स्टेशनों की निगरानी हेतु मुख्यालय एवं मंडलों के साथ ही स्टेशनों पर वॉर रूम खोले गये हैं, जहाँ रेल अधिकारियों द्वारा 24 घंटे मॉनिटरिंग की जाती है। स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को मॉनिटर करने हेतु मुख्यालय तथा मंडल स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, जो स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की पूर्ण निगरानी करने के साथ ही उनके द्वारा स्टेशन की सभी गतिविधियों की सघन मॉनिटरिंग कर रहे हैं। स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता एवं सुझाव हेतु सहायता बूथ की स्थापना की गई है, जो 24 घंटे अनुभवी रेल कर्मचारियों के साथ कार्यरत है। संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाये रखने के लिये ट्रेनों का पहले से प्लेटफॉर्म निर्धारित किया गया है, सभी प्लेटफॉर्मों पर सी.सी.टी.वी. कैमरों के प्रावधान के साथ सीमांकन एवं बैरीकेडिंग की गई है, मोबाइल टिकटिंग एवं स्वयं टिकट निकालने हेतु ए.टी.वी.एम./एम.यू.टी.एस. का उपयोग बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है, यात्रियों को कतारबद्ध करने, फुट ओवर ब्रिजों (एफ.ओ.बी.) एवं एक स्थान पर भीड़ एकत्रित होने से रोकने हेतु पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को लगाया गया है। भारतीय रेल की पहल पर पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ के गीतों के साथ यात्रियों का स्वागत किया जा रहा है। यह कोशिश अपने आप में विशिष्ट है, जो दूर-दराज से आने वाले यात्रियों को अपने घर की संस्कृति से जोड़ रही है।

लखनऊ जं. स्टेशन पर सफाई करते हुये सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 25 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की सफाई की गई। 25 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, रेल पटरियों और अन्य क्षेत्रों की सफाई की गई एवं स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों, संविदा कर्मचारियों और रेलवे कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता जन जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों के साथ स्वच्छता सम्बंधी नारे, पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा स्टेशनों पर रखे कूड़ेदानों की सफाई कर निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इज्जतनगर मंडल के स्टेशनों पर प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, प्रसाधन एवं कार्यालयों की सफाई गई तथा कूड़ेदानों की सफाई कर निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इस दौरान स्टेशन परिसर और ट्रैक के दोनों किनारों पर खुली और ढ़की हुई नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर का छिड़काव किया गया।

एल.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार पर अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की मांग पर 03181/03182 सियालदह-बलिया-सियालदह अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन सियालदह से 25 अक्टूबर, 2025 को तथा बलिया से 26 अक्टूबर, 2025 को 01 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 03181 सियालदह-बलिया अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 25 अक्टूबर, 2025 को सियालदह से 10.05 बजे प्रस्थान कर नैहाटी से 11.00 बजे, बैण्डेल से 11.32 बजे, बर्धमान से 12.34 बजे, पानागढ़ से 13.39 बजे, दुगार्पुर 13.55 बजे, अण्डाल से 14.03 बजे, आसनसोल से 14.30 बजे, चितरंजन से 14.57 बजे, मधुपुर से 15.37 बजे, जसीडीह से 16.05 बजे, सिमुलतला से 16.30 बजे, झाझा से 17.55 बजे, गिद्धौर से 18.08 बजे, जमुई से 18.22 बजे, मननपुर से 18.37 बजे, किऊल से 18.52 बजे, बड़हिया से 19.08 बजे, बरौनी से 21.00 बजे, विद्यापति धाम से 21.32 बजे, मोहीउद्दीनगर से 21.44 बजे, शाहपुर पटोरी से 21.59 बजे, महनार रोड से 22.10 बजे, देसरी से 22.20 बजे, अक्षयवट नगर से 22.32 बजे, हाजीपुर से 23.05 बजे, सोनपुर से 23.17 बजे, नयागांव से 23.30 बजे, सीतलपुर से 23.38 बजे, दिघवारा से 23.48 बजे, दूसरे दिन छपरा से 01.25 बजे, सुरेमनपुर से 01.57 बजे, रेवती से 02.11 बजे, सहतवार से 02.24 बजे छूटकर बलिया 04.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03182 बलिया-सियालदह अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 26 अक्टूबर, 2025 को बलिया से 07.00 बजे प्रस्थान कर सहतवार से 07.20 बजे, रेवती से 07.34 बजे, सुरेमनपुर से 07.43 बजे, छपरा से 08.40 बजे, दिघवारा से 10.25 बजे, सीतलपुर से 10.34 बजे, नयागांव से 10.43 बजे, सोनपुर से 10.58 बजे, हाजीपुर से 11.10 बजे, अक्षयवट नगर से 11.23 बजे, देसरी से 11.35 बजे, महनार रोड से 11.47 बजे, शाहपुर पटोरी से 12.02 बजे, मोहीउद्दीनगर से 12.17 बजे, विद्यापति धाम से 12.29 बजे, बरौनी से 13.30 बजे, बड़हिया से 14.30 बजे, किऊल से 15.02 बजे, मननपुर से 15.16 बजे, जमुई से 15.31 बजे, गिद्धौर से 16.04 बजे, झाझा से 17.35 बजे, सिमुलतला से 17.52 बजे, जसीडीह से 18.15 बजे, मधुपुर से 18.42 बजे, चितरंजन से 19.22 बजे, आसनसोल से 20.05 बजे, अण्डाल से 20.27 बजे, दुगार्पुर 20.43 बजे, पानागढ़ से 20.59 बजे, बर्धमान से 22.18 बजे, बैण्डेल से 23.35 बजे, दूसरे दिन नैहाटी से 00.14 बजे छूटकर सियालदह 01.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान/सामान्य द्वितीय श्रेणी के 18 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

मंडलों पर सतर्कता से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे

गोरखपुर: केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निदेर्शानुसार पूर्वोत्तर रेलवे पर 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर, 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जायेगा। इसके अन्तर्गत मुख्यालय एवं मंडलों पर सतर्कता से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत 27 अक्टूबर, 2025 को 11.00 बजे महाप्रबन्धक कार्यालय परिसर, गोरखपुर में महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर द्वारा रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई जायेगी तथा अपरा 03.00 बजे से 06.00 बजे तक बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर में कर्मचारियों के लिये सतर्कता क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में, 29 अक्टूबर, 2025 को पूर्वा 11.30 बजे से अपरा 02.00 बजे तक अधिकारी क्लब, गोरखपुर में महाप्रबन्धक के मुख्य आतिथ्य में सतर्कता सेमिनार आयोजित किया जायेगा, जिसके आमंत्रित वक्ता श्री राकेश त्रिपाठी एवं श्री अशोक जान्हवी प्रसाद रहेंगे। इसी दिन अपरा 03.00 बजे से ऑनलाइन सफलताः हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर मुख्यालय के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिये ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। अपरा 03.30 बजे अधिकारी क्लब, गोरखपुर में इंजीनियरिंग कालेज के विद्यार्थियों के साथ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 30 अक्टूबर, 2025 को पूर्वा 11.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे तक सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, गोरखपुर तथा अपराह्न 03.30 बजे से सायं 05.30 बजे तक पूर्वोत्तर रेलवे बालिका इंटर कालेज, गोरखपुर में विद्यार्थियों के साथ वाक प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 31 अक्टूबर, 2025 को प्रातः 07.30 बजे से 08.30 बजे तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में महाप्रबन्धक के मुख्य आतिथ्य में वाकाथन वाक फार इंटीग्रिटी का आयोजन किया जायेगा। इसी दिन प्रातः 09.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक गोरखपुर जं. स्टेशन पर शपथ ग्रहण ई-प्लेज तथा शिकायत एवं सुझाव बूथ का आयोजन तथा पूर्वाह्न 11.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे तक एन.ई. रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल, गोरखपुर में विद्यार्थियों के साथ वॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 01 नवम्बर, 2025 को पूर्वा 10.00 बजे से अपरा 12.30 बजे तक यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में सतर्कता सेमिनार पूर्वा 11.00 बजे से अपरा 01.00 बजे तक ए.पी.एन. एकेडमी, पिपरा, महराजगंज में अवेयरनेस ग्रामसभा का आयोजन तथा सायं 04.00 बजे से 06.00 बजे तक लीज होल्डरों के साथ ऑनलाइन वेंडर मीट किया जायेगा। 02 नवम्बर, 2025 को प्रातः 09.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक शपथ ग्रहण ई-प्लेज तथा शिकायत एवं सुझाव बूथ का आयोजन तथा पूर्वा 10.00 बजे से 11.30 बजे तक गोरखपुर जं. स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जायेगा।

2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 26 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं।

-26 अक्टूबर, 2025 को 05045 लालकुआँ-राजकोट पूजा विशेष गाड़ी लालकुआँ से 13.10 बजे प्रस्थान कर इज्जतनगर, बरेली सिटी, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 05314 गोमती नगर-महबूबनगर पूजा विशेष गाड़ी गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर, भटनी, औंड़िहार होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25 बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 05132 बहराइच-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी बहराइच से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, बढ़नी, आनन्दनगर होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी थावे से 18.25 बजे प्रस्थान कर मसरख, खैरा होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 07.35 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, वाराणसी जं., सूबेदारगंज, गोविन्दपुरी होते हुये चलाई जायेगी।

-26 अक्टूबर, 2025 को 08630 गोरखपुर-राँची पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 15.30 बजे प्रस्थान कर भटनी, सीवान, छपरा, पटना होते हुये चलाई जायेगी।

सीतापुर में मां कालिकन मंदिर पर अयोध्या की तर्ज पर भव्य दीपोत्सव और भजन संध्या का आयोजन

गढ़चपा गांव में उमड़ा आस्था का सैलाब, रामभक्तों ने दीपों से किया प्रकाश पर्व का स्वागत

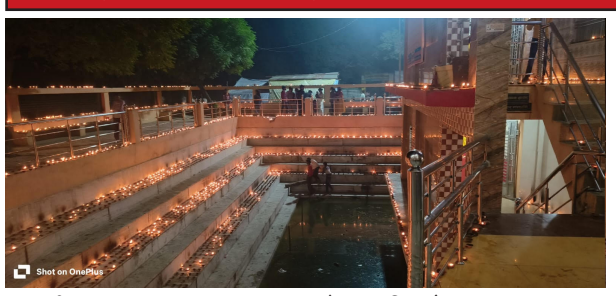

सीतापुर। रामपुर मथुरा ब्लॉक के गढ़चपा गांव स्थित मां कालिकन मंदिर परिसर में इस वर्ष दीपावली के अवसर पर अयोध्या की तर्ज पर भव्य दीपोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। पूरा मंदिर परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भक्ति और आनंद का अनुभव किया।कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने मां कालिकन से क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस भव्य आयोजन का संचालन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर एवं जिला पंचायत निर्माण समिति के अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।भजन संध्या में कलाकारों ने भक्ति रस से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुति दी, जिनमें "राम आएंगे" भजन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय नेता मौजूद रहे। सभी ने भजन संध्या का आनंद लिया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।मां कालिकन मंदिर के इस दीपोत्सव में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों दीपों की जगमगाहट से पूरा मंदिर परिसर अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। भक्ति, संगीत और प्रकाश का यह संगम पूरे क्षेत्र में अयोध्या जैसी आध्यात्मिक छटा बिखेर गया। मुख्य आकर्षणरू अयोध्या की तर्ज पर मंदिर परिसर में सैकड़ों दीप जलाए गए।स्थानीय व बाहरी कलाकारों ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां दीं।मंत्री, जनप्रतिनिधि, और भाजपा पदाधिकारियों की सहभागिता।भव्य भंडारे में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया।यह आयोजन सीतापुर के धार्मिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक नया अध्याय जोड़ गया जहां भक्ति, समर्पण और एकता की भावना दीपों की तरह प्रज्वलित होती रहीं ।

प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा ही कराये इलाज,परिवार के जो बुजुर्ग है उनका रखे ख्याल

सीतापुर। अपना इलाज प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा ही कराये और परिवार के जो वृद्ध और बुजुर्ग लोग हैं उनको समय दें और उनका खास ख्याल रखें उक्त विचार मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार जी ने जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया एवं श्री पीतांबरा शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल के सहयोग से एक दिवसीय सीनियर केयर प्रोग्राम के उद्घाटन समारोह में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया उन्होंने बताया सरकार की मंशा के अनुरूप 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोगों का आयुष्मान कार्ड घर–घर जा कर बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है इसका आप सभी लोग लाभ उठाएं कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का डॉ सुरेंद्र प्रताप सिंह मैनेजर मां कमला देवी श्री पितांबरा शिक्षा समिति के द्वारा स्वागत किया गया कार्यक्रम को डिप्टी सीएमओ राजशेखर रावत तथा डॉक्टर अनूप सरवैय्या डॉ सुधीर चौधरी डॉक्टर अनुज कुमार वर्मा डॉक्टर इलियास डॉक्टर मधुलिका राय डॉ सीमा आर बी एस के इंचार्ज नरेंद्र कुमार सिहं डी जी एम आदि लोगों ने संबोधित किया कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद के द्वारा बुके देकर वह स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद हसीन अंसारी के द्वारा किया गया कार्यक्रम में 311 मरीजो का परीक्षण कर निशुल्क दवाई दी गई तथा 21 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभासद डॉक्टर आफताब अहमद सोनू सभासद लल्लन खान सभासद मोहम्मद शोएब सभासद रहमत अली सभासद हक नवाज सभासद आलम सभासद इस्लामुद्दीन सलीम मिश्रा अब्दुल हफीज मेंबर अहमद अली अब्दुल खालिक मोहम्मद सलीम अंसारी समेत सम्मानित नागरिक एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

धोखा धड़ी करने वाले आरोपियों के बिरुध्द कोतवाली पुलिस नही कर रही कार्यवाही

मिश्रित सीतापुर / थाना संदना क्षेत्र के ग्राम ग्रीसवल ग्रंट निवासी राम शंकर पुत्र सुंदरलाल ने प्रभारी निरीक्षक को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है । कोतवाली मिश्रित के ग्राम गुफ्फापुरवा मजरा जसरथपुर निवासी दो व्यक्ति बाप बेटा मिलकर एक फर्जी बैंक चला रहे हैं । जिसमें हजारों लोगों के रुपए जमा कराकर सभी को ठगी का शिकार बना रहे हैं । पीड़ित ने उपरोक्त बैंक खाते में 10, 000 रुपए जमा किए थे । दिनांक 13 अक्टूबर को वह अपनी जमा धनराशि लेने के लिए अपनी पत्नी सोमवती के साथ उनके घर आया था । परंतु दोनों आरोपी पैसे देने के नाम पर घर के अंदर ले गए और लात घूसों व लाठी डंडों से इतना जमकर मारा पीटा कि वह दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए । और विरोध करने पर वह बाएं हाथ में मुंह से काट लिया । पीड़ित व उसकी पत्नी अपनी मोटरसाइकिल उन्हीं के घर पर छोड़कर जैसे तैसे जान बचाकर थाना कोतवाली मिश्रित आए । और कोतवाली पुलिस को घटित घटना की तहरीर दी । जिस पर पुलिस ने अपराध संख्या 0255 पर धारा 352 , 115 (2) 118(2) 316(2) के तहत दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीकृत करके जांच कार्यवाही शुरू कर दी है । परंतु मुकदमा दर्ज होने से नाराज दोनों आरोपी पीड़ित के परिवार को बराबर जान माल की धमकी दे रहे हैं । जिससे पीड़ित काफी डरा और सहमा हुआ है । उसने जिला प्रशासन व प्रदेश शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए इन दोनों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की हैं।

किसानों की धान मंडी में जाम की स्थिति, सिख संगठन ने डीएम से की कार्रवाई की मांग

सीतापुर। दीपावली पर्व के चार दिन के अवकाश के चलते जनपद की मंडियों में धान खरीद पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। किसानों की तैयार फसल मंडियों में पहुंच चुकी है, लेकिन खरीद न होने से जाम की स्थिति बन गई है। इस समस्या को लेकर भारतीय सिख संगठन (उत्तर प्रदेश रजि०) इकाई–सीतापुर ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।संगठन के जिला अध्यक्ष गुरपाल सिंह, जिला महासचिव रंजीत सिंह (एडवोकेट) एवं कोषाध्यक्ष गुरजीत सिंह ने बताया कि मंडी में कुल 13 धान क्रय केंद्र स्थापित हैं, जहां एक–एक केंद्र पर 12 से 13 ट्रालियां खड़ी हैं और कुल मिलाकर करीब 150 ट्रालियां मंडी में जाम का कारण बनी हुई हैं।ज्ञापन में बताया गया कि दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को लेबर

और बोरो की कमी के चलते तौल कार्य नहीं हो पाया, जिससे किसान घंटों लाइन में फंसे रहे। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकांश केंद्रों पर किसानों का धान रिजेक्ट कर दिया जा रहा है, जिससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है।सिख संगठन ने जिला प्रशासन से मांग की है कि रविवार 26 अक्टूबर की छुट्टी समाप्त कर सभी धान क्रय केंद्रों को सुचारू रूप से तौल संचालित किया जाए, ताकि किसान जल्द अपने घर लौटकर गेहूं की बुवाई की तैयारी कर सकें।साथ ही ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि देहात क्षेत्र के कुछ क्रय केंद्रों पर अब तक एक भी क्विंटल धान की खरीदी नहीं हुई है, ऐसे केंद्रों को गल्ला मंडियों में स्थानांतरित किया जाए, ताकि किसानों को सुविधा मिल सके।भारतीय सिख संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र समाधान नहीं किया, तो किसानों के हित में संगठन बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों को में आजाद अधिकार सेना सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा रखपाल सिंह सेवा सिंह स्वामी दयाल हजूर सिंह आदि शामिल रहे।

अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएंगे लियोनेल मेसी, अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोच्चि में मैच स्थगित

कोच्चि (एजेंसी)। फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। हालांकि, अब यह मैत्री मैच अगले महीने नहीं होगा। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी को खेलते देखने को उत्सुक भारतीय प्रशंसकों को निराशा मिली है क्योंकि यह खिलाड़ी अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएगा। इस मैच के आयोजन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। आयोजक ने की पुष्टि ऑगस्टीन ने हालांकि अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट कर यह घोषणा की है कि अर्जेंटीना का यह मैत्री मैच अगले महीने नहीं होगा।

ब्रजलाल ने सफाई कर्मियों को बताया बांग्लादेशी

कांग्रेस ने कहा डबल इंजन की सरकार क्या कर रही, जनता से मांगे माफी

लखनऊ (संवाददाता)। गोमतीनगर विस्तार में भाजपा से राज्यसभा सांसद ब्रजलाल ने सफाई कर्मियों को बांग्लादेशी बताया था। इसपर अब कांग्रेस के निवर्तमान महासचिव और पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि भाजपा सांसद ने यह ओछी हरकत की है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार क्या कर रही। मामले में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की गई है। पत्र जारी करते हुए पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डीजीपी ब्रजलाल द्वारा हाल ही में किए गए खुलासे ने न केवल प्रदेश के प्रशासनिक तंत्र की पोल खोल दी है, बल्कि यह केंद्र और प्रदेश दोनों सरकारों की सुरक्षा नीति की असलियत भी उजागर करता है। ब्रजलाल ने फेसबुक लाइव कर लखनऊ में बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी का दावा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम ऐसे लोगों से काम करा रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। यह कोई पहला मौका नहीं है। इससे पहले लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल भी झुग्गी-बस्तियों में बांग्लादेशी नागरिकों के रहने का दावा कर चुकी हैं। अब सवाल उठता है,जब केंद्र में 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार और प्रदेश में 2017 से योगी आदित्यनाथ की सरकार है, तब यह घुसपैठ आखिर कैसे हो रही है? क्या यह बीजेपी सरकार की नाकामी का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है? अगर राजधानी लखनऊ में ही विदेशी नागरिक बिना रोक-टोक रह रहे हैं, नगर निगम के ठेकों में काम कर रहे हैं, और भाजपा सरकारें सालों से इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर पाई कृ तो यह सीधे-सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। यदि बीजेपी नेताओं के दावे सही हैं, तो यह साबित करता है कि केंद्र और प्रदेश, दोनों सरकारें अपनी मूल जिम्मेदारी सीमाओं की सुरक्षा और अवैध घुसपैठ रोकने में पूरी तरह विफल रही हैं। यह असफलता पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर पूर्व गृहमंत्री राजनाथ सिंह से लेकर वर्तमान गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ तक की है। ऐसी स्थिति में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गृह मंत्री अमित शाह को जनता के सामने जवाब देना चाहिए कि अब तक क्या कदम उठाए गए हैं और क्यों नहीं उठाए गए? बीजेपी नेता और पूर्व डीजीपी ब्रजलाल के वीडियो में एक शख्स ने खुद को असम का नागरिक होने की बात कहते हुए सीएए,एनआरसी में सत्यापन हो चुकने का तर्क देते हुए सुनायी पड़ रहा है। ऐसे में यदि बीजेपी नेता के ये दावे झूठे या राजनीतिक मकसद से प्रेरित हैं, तो यह भाजपा नेताओं द्वारा जनता को गुमराह करने और समाज में विभाजन फैलाने का शर्मनाक प्रयास है। असम या पूर्वोत्तर राज्यों से आए वैध नागरिकों को छ्बांग्लादेशीछ बताना न केवल गैरजिम्मेदाराना है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता और भाईचारे पर हमला है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीजेपी के नेता अपनी ही सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए संवेदनशील सुरक्षा मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं। यदि ब्रजलाल और मेयर सुषमा खर्कवाल अपने ही शहर में विदेशी नागरिकों को नहीं रोक पा रहे हैं, तो उन्हें अपनी अकर्मण्यता के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए।

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व शुरू,राजधानी में सज गए घाट

27 अक्टूबर को सीएम योगी लक्ष्मण मेला घाट पर देंगे अर्घ्य

लखनऊ (संवाददाता)। 4 दिवसीय छठ महापर्व आज यानी 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। 26 अक्टूबर को खरना और 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य होगा। 28 अक्टूबर को उगते भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया जाएगा। लखनऊ छठ की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गोमती स्थित लक्ष्मण मेला मैदान पूरी तरह व्यवस्थित हो चुका है। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने सभी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर को सीएम योगी आदित्यनाथ संध्या अर्घ्य देंगे। प्रभुनाथ राय ने कहा कि हमारा सौभाग्य है की छठी मैया की सेवा में लगे हुए हैं। यह 41 वां साल है जब हम निरंतर छठ का आयोजन कर रहे है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और भोजपुरी समाज के पदाधिकारी मिलकर व्यवस्था करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए अपना विशेष आशीर्वाद दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ 27 अक्टूबर को शाम 4 बजे सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर के शुभारंभ करेंगे। प्रभुनाथ राय ने बताया कि 27 और 28 अक्टूबर को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जिसमें बड़ी संख्या में कलाकार हिस्सा लेंगे। सुप्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी (असम), गोपाल राय (बलिया), सुरेश शुक्ला (मुंबई) सहित 200 लोक कलाकार 18 घंटे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। छठ की तैयारियों का मनोज सिंह, वेद प्रकाश राय, मनोज राय, सुनील सिंह ने जायजा लिया।

संक्षिप्त खबरें

एसडीएम के घर लाखों की चोरी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में बीती रात चोरों ने एसडीएम के घर लाखों की चोरी कर ली। चोरों ने नकदी और गहने चोरी किए। इस मामले में एसडीएम ने मड़ियांव थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। फतेहपुर एसडीएम सदर अनामिका श्रीवास्तव का घर लखनऊ के मड़ियांव स्थित साई सिटी कॉलोनी में है। एफआईआर के मुताबिक घटना बीती रात 23 व 24 अक्टूबर की रात करीब 2.40 से 5 बजे के बीच की है। चोरों ने मकान का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी में घर के अंदर दो चोर जाते हुए कैद हुए है। दोनों चोर अलग अलग रास्ते से अंदर घुसे थे। और अपनी पहचान छुपाने के लिए दोनों चोर ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। चोरी की सूचना के बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची। टीम ने डॉग स्क्वॉड के साथ जांच शुरू की। इस दौरान डॉग घर के बगल वाली गली तक गया। फिर दूर जा कर रुक गया। जांच में सामने आया कि जिस घर में चोरी हुई है, वहां पर 24 घंटे राम भजन चलता है। इसके बारे में अंजान लोगों को जानकारी नहीं थी। पुलिस को आशंका है कि कोई करीबी इस चोरी की घटना में शामिल है।

उत्तर प्रदेश के शहरों में टैक्स का डबल डोज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के शहरों में राज्य सरकार ने जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन और अमृत यानि अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बनट्रांसफॉर्मेशन योजनाओं के तहत सीवर लाइन और जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा कर दिया है। जिसके बाद अब इन शहरों के इलाकों में रहने वाले लोगों को अब हाउस टैक्स के साथ-साथ दो नए कर चुकाने पड़ेंगे,जिसमें की वाटर टैक्स और सीवर टैक्स शामिल होगा। सरकार ने ये फैसला नगर निगमों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और उनकी बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव के लिए लिया है। अब इस टैक्स को भरना अनिवार्य होगा न भरने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी जारी की गई है इस योजना में ज्यादा आबादी वाले शहरों को कवर किया गया है। अब तक अमृत योजना के तहत 7.99 लाख घरों को पेयजल कनेक्शन और 5.97 लाख घरों को सीवर कनेक्शन दिया जा चुका है। अब तक योजना पर 4,845 करोड़ रुपये का खर्चा किया जा चुका है, जिसमें की पाइपलाइन बिछाने, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण करना शामिल है राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन और अमृत योजनाओं के तहत लखनऊ, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी और झांसी जैसे छह प्रमुख शहरों में ये कार्य सबसे तेजी से पूरा हुआ है। शहरी विकास विभाग के अधिकारी के मुताबिक, श्ये परियोजनाएं श्आत्मनिर्भर भारतश के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।अब हमारा लक्ष्य है कि हर घर में 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की जलापूर्ति सुनिश्चित हो, सीवरेज कवरेज 100 प्रतिशत हो।नए टैक्स की घोषणा करते हुए राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जल कर और सीवर टैक्स लोगों के हाउस टैक्स के आधार पर लगाए जाएंगे।यदि कोई इंसान अपने घर का सालाना हाउस टैक्स 5,000 रुपये देता है तो उसे महीने का करीब 100 रुपये जल,सीवर टैक्स के देने होंगे।

बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास पर 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के माल एवेन्यू स्थित सरकारी आवास के बाहर 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने शनिवार को नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।योगी बाबा न्याय करो, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करो का नारा लगाते हुए अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री से मिलने की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी भी शामिल रहीं।पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को बस में बैठाकर धरना स्थल इको गार्डन भेज दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि हाई कोर्ट का जो फैसला आया था सरकार उसे जानबूझ कर लटका दिया, जिससे यह मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। सरकार के पास पर्याप्त समय था, वह हाई कोर्ट डबल बेंच के फैसले का पालन करके सबके साथ न्याय कर सकती थी।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय कर उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाई कोर्ट की डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया। लेकिन सरकार इस प्रकरण में हीला हवाली करती रही।

मन्दिरों व ऐतिहासिक इमारतों पर अतिक्रमण की बढ़ रही प्रवृत्ति के विरुद्ध बैठक आज

लखनऊ (संवाददाता)। ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी लखनऊ के अध्यक्ष एम० अली मदहोश एडवोकेट की अध्यक्षता में मन्दिरों व ऐतिहासिक इमारतों पर अतिक्रमण करने की बढ़ रही प्रवृत्ति के विरोध में संस्था के पदाधिकारियों एंव हिन्द सेवकों की बैठक संस्था के शाखा कार्यालय ठाकुरगंज चौराहा ठाकुरगंज लखनऊ में कल दिनांक 26॰10॰2025 को प्रातः 10 30 बजे प्रारम्भ होगी। बैठक में मन्दिरों व ऐतिहासिक इमारतों पर अतिक्रमण कर दुकान व मकान बना लेने की बढ़ रही प्रवृत्ति का विरोध करते हुए जनता को जागरूक करने के तरि तरीकों पर विचार किया जायेगा। आजकल मन्दिरों व ऐतिहासिक इमारतों में दुकानें व मकान आदि बनाकर अवैध कब्जा करने की प्रवृत्ति इतनी बढ़ गयी है कि मन्दिर-मस्जिद, गुरुद्वारों आदि का व्यवसायीकरण किया जा रहा है। कोई भी समाज सेवक विरोध करता है तो जानमाल की धमकी देकर डराया धमकाया जाता है। संस्था सभी धार्मिक स्थलों ऐतिहासिक इमारतों पर कब्जा कर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सन् 2007 से आन्दोलन चला रही है। इस बैठक में विशेष तौर से अतिक्रमण के विरुद्ध जनता को जागरूक करने के लिए अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करने पर निर्णय लिया जायेगा।

चुनावी मोड में मायावती एक नवम्बर को बुलाई बैठक

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने आगामी मिशन 2027 को लेकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। पार्टी सुप्रीमो ने एक नवम्बर को बामसेफ की विशेष बैठक बुलाई है, जिसमें संगठन की रणनीति और पिछड़े वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर मंथन किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में बामसेफ कैडर को दोबारा सक्रिय करने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर चर्चा होगी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी बसपा ने बामसेफ को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया था, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी। अब मायावती की नजर आगामी विधानसभा चुनाव पर है, जिसमें वह बामसेफ को बसपा के जनाधार विस्तार का प्रमुख माध्यम बनाना चाहती हैं। बताया जा रहा है कि मायावती स्वयं इस बैठक में मौजूद रहेंगी और पिछड़े वर्ग को जोड़ने की रणनीति पर अंतिम निर्णय लेंगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि कैसे बामसेफ से जुड़े सरकारी कर्मचारी और शिक्षित वर्ग समाज में बसपा की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाएं। इस बीच, संगठनात्मक फेरबदल भी जारी है। बसपा ने सरवर मलिक को लखनऊ मंडल का मुख्य प्रभारी नियुक्त किया है, जबकि मुनकाद अली को कानपुर व लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि यह बदलाव पार्टी को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के उद्देश्य से किया गया है। बसपा नेतृत्व का मानना है कि बामसेफ हमेशा से पार्टी की वैचारिक रीढ़ रहा है, और 2027 के विधानसभा चुनाव में इसकी सक्रियता बसपा के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

घर में मृत मिली बुजुर्ग महिला, पड़ोसी पहुंचे तो सबको ईंट मारने लगा बेटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में एक 72 साल की बुजुर्ग महिला अपने घर में मृत मिली है। वह अपने इकलौते बेटे के साथ रहती थी। सूचना पर पड़ोसी जैसे ही उसके घर पहुंचे तो बेटा सबको ईंट मारने लगा। पुलिस ने उसे किसी तरह काबू किया। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका की पहचान विमला सिंह के रूप में हुई है। बेटा अनिंद्र सिंह उर्फ ठाकुर कोई नौकरी नहीं करता था, वह घर में ही रहता था। शुरूआती जांच में वह मानसिक रूप से अस्थिर है। चार बहने हैं जिनकी पहले ही शादी हो चुकी है। पड़ोसियों से मिली जानकारी के अनुसार, घर के अंदर महिला की मौत की सूचना मिली। सामने का गेट बंद था। पुलिस को बुलाकर साथ के लोग पीछे के गेट से अंदर गए। जैसे ही दरवाजे को धक्के से खोला तो एक युवक ईंटों से मारने लगा। पुलिस ने उसे किसी तरह काबू किया। युवक को हिरासत में लेकर बुजुर्ग महिला को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने बुजुर्ग महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

1 नवंबर से यूपी के 9 शहरों में लागू होगी बिजली विभाग की नई व्यवस्था

फेसलेस और नेमलेस प्रणाली के तहत होंगी सभी सेवायें

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 1 नवंबर से लखनऊ सहित नौ प्रमुख शहरों-मेरठ, अलीगढ़, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, नोएडा और गाजियाबाद में बिजली विभाग की वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग सिस्टम लागू करने की तैयारी है। नई व्यवस्था के तहत बिलिंग, कनेक्शन, लोड परिवर्तन, सप्लाई और मेंटिनेंस जैसे कार्य अलग-अलग अधिकारियों और कर्मचारियों के अधीन होंगे। अब उपभोक्ता किसी विशेष अधिकारी से सीधे संपर्क नहीं कर पाएंगे। सभी सेवाएँ फेसलेस और नेमलेस प्रणाली के तहत होंगी। शिकायत दर्ज कराने या नया आवेदन करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1912 या शहरों में स्थापित हेल्पडेस्क सेंटरों की मदद लेनी होगी। अभी वन-विंडो व्यवस्था लागू है, जिसमें एक ही अधिकारी के पास सप्लाई और रेवेन्यू दोनों की जिम्मेदारी होती है। इससे कई बार अधिकारी हर काम पर समान ध्यान नहीं दे पाते और शिकायतें बढ़ जाती हैं। अब विभाग का कहना है कि नई प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार की संभावना घटेगी। अधिकारियों के अनुसार बिजली कार्यों को दो भागों में बांटा गया है, तकनीकी और वाणिज्यिक। तकनीकी विभाग में 33 केवी और 11 केवी,एलटी लाइन के लिए अलग-अलग अधीक्षण अभियंता होंगे। हर सब-स्टेशन के अंतर्गत विशेष टीमें बनाई जाएंगी जो मेंटिनेंस और सप्लाई से जुड़ी समस्याओं पर काम करेंगी। वाणिज्यिक विभाग पूरी तरह केंद्रीकृत रहेगा। टीम नए कनेक्शन, बिल संशोधन, लोड परिवर्तन और बिलिंग से जुड़ी कार्यवाही देखेगी। साथ ही बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष विजिलेंस यूनिट इसके अंतर्गत होगी। नई व्यवस्था से अधिकारियों को अपने निर्धारित कार्यों पर बेहतर फोकस और जिम्मेदारी होगी। उपभोक्ताओं को किसी अधिकारी के पास चक्कर लगाने की जरूरत नहीं। सभी सेवाएँ ऑनलाइन या हेल्पलाइन के माध्यम से उपलब्ध होंगी।

डालीगंज जैन मन्दिर में चातुर्मास समापन एवं पिच्छी परिवर्तन सम्पन्न

लखनऊ (संवाददाता)। श्री जैन धर्म प्रवर्धनी सभा की ओर से आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी मुनिराज के परम शिष्य अध्यात्म योगी उपाध्याय श्री 108 आदीश सागर जी मुनिराज का चातुर्मास निष्ठापन एवं पिच्छी परिवर्तन का कार्यक्रम, सभा अध्यक्ष विनय कुमार जैन की अध्यक्षता मे शनिवार को डालीगंज जैन मन्दिर मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम। प्रातः 7 बजे से अभिषेक 7रू15 दुग्ध से शांतिधारा (बोली द्वारा) तत्पश्चात 8 बजे से उपाध्याय श्री 108 आदीश सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे दीप प्रज्जुलन, चित्र अनावरण, शास्त्र भेट, पाद प्रक्षालन, गुरु पूजा, गुरु का मंगल आशीर्वाद, चातुर्मास निष्ठापन समारोह एवं पिच्छी परिवर्तन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि चातुर्मास का कलश जिन लोगों ने प्राप्त किए थे उन्हें गुरुवर के द्वारा कलश प्राप्त किया। सर्वप्रथम मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की दूध से शांतिधारा करने का सौभाग्य अनिल जैन ने प्राप्त किया। तत्पश्चात देव शास्त्र गुरु की श्री फल चढ़ा कर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। दीप प्रज्जुलन, चित्र अनावरण के बाद मीनू जैन ने मंगलाचरण किया। सभापति विनय जैन ने सभा का संचालन करते हुए कहा की उपाध्याय आदीश सागर जी मुनिराज जैसे सरल साधु उन्होंने अपने जीवन मे नहीं देखे। उन्होंने चातुर्मास के दौरान जाने अनजाने हुई गलतियों के लिए गुरुदेव से क्षमा मांगी। उप प्रबंधक पार्श्व जैन ने बताया की पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य सुशील जैन, मनीष, मुकेश अपूर्व जैन परिवार ने प्राप्त किया, वही गुरुदेव को शास्त्र भेट करने का सौभाग्य अशोक जैन, अंकित जैन जरवल वालो को मिला। इंजीनियर विशाल जैन ने गुरुदेव को नवी पिच्छी भेट करने का सौभाग्य प्राप्त किया, वही पुरानी पिच्छीका भी गुरुदेव के द्वारा उन्ही को भेट स्वरुप प्रदान की गयी। तत्पश्चात गुरुदेव का अष्ट द्रव्यों से पूजन किया गया। मंगल आरती, के बाद गुरुदेव ने अपने प्रवचन मे बताया की इस चातुर्मास मे जिन्हे लाभ मिलना था उन्हें मिला। उन्होंने बताया की प्रथम दीक्षा भगवान ऋषभदेव ने ली थी। और अभी भगवान महावीर का शासन चल रहा है। जो अगले तीर्थकर के आने तक चलता रहेगा। तत्पश्चात गुरुवर के द्वारा सभी को चातुर्मास के मंगल कलश वितरण किये गए। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष विनय, महामंत्री सुबोध, कोषाध्यक्ष सुशील, वरिष्ठ मंत्री वीर कुमार साड़ी वाले, मुख्य प्रबंधक वीर कुमार टिकैतनगर, उप प्रबंधक पार्श्व कुमार जैन, संयोजक मनीष, विकास, अभिदीप, राहुल, पवन, राजू, रोहित, रितेश महिला मण्डल से शुभा, कंचन, शीतू, प्रतीक्षा, बिब्बो भाभी, अंजू, मीनू, बाईजी आदि मौजूद रहे।

लखनऊ पुलिस ने दबंग को जिलाबदर किया,मनबढ़ पर दर्ज हैं एक दर्जन के करीब मुकदमे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एक और बड़ी कार्रवाई की है। थाना महिगवां क्षेत्र के दबंग प्रवृत्ति के संदीप पुत्र लालता प्रसाद, निवासी ग्राम शिवराजपुर, को उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत तीन माह के लिए लखनऊ की सीमा से जिलाबदर कर दिया गया है। यह आदेश संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) ने जारी किया है। लोक शांति और जनसुरक्षा के मद्देनजर न्यायालय ने पाया कि विपक्षी संदीप की हरकतों से क्षेत्र में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है। वह मनबढ़ और दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इन मामलों में मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और बल प्रयोग से जुड़े आरोप शामिल हैं। राज्य की ओर से पेश हुए संयुक्त निदेशक अभियोजन अवधेश कुमार सिंह ने अदालत में मजबूत तर्क रखते हुए कहा कि संदीप की निरंतर आपराधिक गतिविधियां कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने तीन माह के लिए जिलाबदर का आदेश पारित किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, संदीप के खिलाफ थाना इटौंजा और महिगवां में कई मुकदमे दर्ज हैं। इन प्रकरणों को देखते हुए पुलिस ने गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई को आवश्यक समझा।

पराली प्रबंधन पर न्याय पंचायत स्तरीय गोष्ठी का आयोजन

वाराणसी/लखनऊ (संवाददाता)। सेवापुरी विकासखंड के तेंदुई गांव में शनिवार दोपहर तीन बजे पराली एवं फसल अवशेष प्रबंधन पर एक न्याय पंचायत स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को फसल अवशेष न जलाने के प्रति जागरूक करना था। पूर्व मां कालिका मंडल अध्यक्ष शशि प्रकाश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गोष्ठी में किसान सहायक ओंकार और किसान मित्र पूनम गुप्ता ने किसानों को संबोधित करते हुए पराली न जलाने की अपील की। वक्ताओं ने बताया कि पराली जलाने से खेत की उर्वरक क्षमता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण गंभीर रूप से बढ़ता है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि पराली और फसल अवशेष को खेत में ही सड़ाकर जैविक खाद तैयार की जा सकती है। इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होती है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पराली प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा आधुनिक उपकरणों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम और रीपर कम्बाइंडर पर अनुदान दिया जा रहा है, जिसका लाभ किसान उठा सकते हैं। अधिकारियों ने फसल अवशेष प्रबंधन योजना की विस्तृत जानकारी भी दी। अधिकारियों ने किसानों को पराली जलाने पर होने वाली दंडात्मक कार्यवाही से भी अवगत कराया। उन्होंने जोर दिया कि पराली जलाने से न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर इंद्रदेव गौड़, ओमकार, पूनम गुप्ता, राम अवध वर्मा, भोलानाथ पटेल, रामजी पाल, हीरो लाल, धीरज कुमार, ललित देवी, गंगाजली, सर्वजीत पटेल, गुलाब प्रसाद, बुझारत सहित कई किसान उपस्थित थे।

थाने में पुलिस पर हमला,महिलाओं को आगे कर पहुंची भीड़, दरोगा समेत 7 पुलिसवाले घायल

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पुलिस पर भीड़ ने शनिवार को हमला कर दिया। सफाईकर्मी की मौत मामले में हिरासत में लिए आरोपी को छोड़ने पर भीड़ आक्रोशित हो गई। थाने को घेर लिया। पुलिसवालों ने समझाने की कोशिश की तो भीड़ ने धक्का-मुक्की कर दी। भीड़ से महिलाएं आगे आईं और पुलिसवालों पर हमला कर दिया। इसमें दरोगा समेत 7 पुलिसवालों को चोटें आईं। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने भी भीड़ को दौड़ा-दौड़ाकर लाठियों से पीटा। लाठीचार्ज में भीड़ की कई महिलाओं को चोट आई है। थाना दिवस होने के चलते कई अफसर भी मौके मौजूद थे। बवाल के बाद भीड़ के 9 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल कहना है कि इनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। पूरा मामला सुशांत गोल्फ सिटी थाना का है। स्नेन देवी ने कहा, हृहम लोग यहां धरना देने आए थे। रोड खाली थी, हम लोग खड़े हो गए। इतने में कुछ लोग लाठी-डंडा लेकर आए। किसी का सिर फोड़ दिया, किसी का पैर तोड़ दिया। गाड़ी से लुलु मॉल तक दौड़ाकर पीटा। लोगों को पकड़कर भी ले गए। सभी को पीटा, किसी को नहीं छोड़ा। घटना से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। पहले वीडियो में कुछ युवकों को पुलिसवाले पकड़ते दिख रहे। उन्हें थाने ले जाने की कोशिश कर रहे, जबकि भीड़ पुलिस से युवकों को छुड़ाने की कोशिश कर रही है। इसी बीच, पुलिस और लोगों के बीच झड़प शुरू हो गई। दूसरे वीडियो में तीन युवकों को पुलिसवाले घसीट रहे। इसी दौरान भीड़ से महिलाएं आगे आईं और पुलिस पर हमला कर दिया। उन्होंने दो युवकों को छुड़ा लिया। करीब 40 लोगों की भीड़ थाने पहुंची थी। भीड़ ने अरुण के हत्यारोपी को पुलिस से दिखाने की जिद की। दरअसल, उन्हें जानकारी मिली थी कि पुलिस ने आरोपी को छोड़ दिया है। पुलिस से आरोपी को सामने लाने की जिद पर भीड़ के लोगों ने बहस शुरू कर दी। उसके बाद दोनों पक्षों में टकराव बढ़ गया और फिर थाने के अंदर ही मारपीट शुरू हो गई। भीड़ के लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने लाठियों से मारकर खदेड़ना शुरू कर दिया। वहीं, थाने से जारी प्रेसनोट के अनुसार मृतक अरुण के परिजन 50-60 लोगों के साथ आए और थाना गेट पर बैठकर रोड जाम कर दी। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। क्राइम इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के सिर पर चोट लगी। इंस्पेक्टर के अलावा 6 और पुलिसकर्मी घायल हुए हैं लेकिन उन्हें मामूली चोट है। इस घटना के बाद भीड़ से 9 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें 5 पुरुष और 4 महिलाएं हैं।

आरपीआई का संगठन विस्तार, प्रदेश अध्यक्ष ने 9 नए पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

लखनऊ (संवाददाता)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) ने उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नौ नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. राम मनोहर लोहिया के सामाजिक न्याय के विचारों को हर गांव और शहर तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया समाज के हर वर्ग को समान अधिकार और अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पार्टी का मुख्य लक्ष्य प्रदेश में जिला, तहसील, ब्लॉक और ग्रामसभा स्तर तक संगठन का सशक्त नेटवर्क तैयार करना है। पवन भाई गुप्ता ने जिन पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं, उनमें डॉ. मनोज कुमार यादव को जनपद अयोध्या के गोसाईगंज विधानसभा अध्यक्ष, विमल कुमार भारती को प्रदेश मंत्री, राम कुमार को इटावा जिला अध्यक्ष और सेवानिवृत्त अधिकारी सूर्यपाल सिंह को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। इसी तरह मुश्ताक अहमद को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ वाराणसी जिलाध्यक्ष, सैफ अली खान को लखनऊ छावनी परिषद अध्यक्ष, ओसामा कुरैशी को छावनी परिषद महामंत्री, मोहम्मद राशिद को छावनी परिषद सचिव और शाहनवाज को सहारनपुर के सरसावां ब्लॉक उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारियों की भूमिका संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में अहम होगी। उन्होंने कहा, हमारा मिशन है कि समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों तक बाबा साहेब अंबेडकर और लोहिया जी की विचारधारा को पहुंचाया जाए।

अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई,39 हजार रुपए का जुमार्ना, आए दिन लग रहा था जाम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आए दिन लग रहे जाम के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मामले में लोगों की शिकायत के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की है। जोन-2 के चारबाग क्षेत्र में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस दौरान 5 चालान कर 5 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया, जबकि प्रतिबंधित प्लास्टिक के प्रयोग पर 12 चालान में 34,500 का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई में जोनल सेनेटरी ऑफिसर राम सकल यादव, एसएफआई सचिन सक्सेना, राजेश कुशवाहा समेत जोन 2 के कर्मचारी शामिल रहे। भवानीगंज क्षेत्र के टिकैत राय तालाब से बुलाकी अड्डा चौराहा तक अवैध रूप से किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान 25 ठेले, 5 काउंटर, 30 अस्थायी दुकानें हटाई गईं। साथ ही 1 लोहे का स्टूल, 6 प्लास्टिक कुर्सियाँ, 1 लकड़ी की बेंच, 3 तराजू, 6 कैरेट और 4 टायर जब्त किए गए। अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे दोबारा अतिक्रमण न करें। साथ ही संबंधित थाने को पत्र लिखा गया। ताकि वहां पर दोबारा से अतिक्रमण की स्थिति न बने। जोन-7 के अंतर्गत विकासनगर सेक्टर-3 और आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई। इस दौरान 1 लोहे की गुमटी और 1 लकड़ी की गुमटी को जब्त किया गया। साथ ही 4 ठेले, 5 ठेलिया, 4 गुमटी और 2 लोहे के काउंटर हटाए गए। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में यदि दोबारा कब्जा किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि नगर निगम का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा देना है।

सम्पादकीय

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय देर आए, दुरुस्त आए की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं। क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने नौकरी, विकास और सम्मान जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ लालू के पुत्र नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका जनादेश अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक सुशासन बाबू की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है।

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव में उलटफेर ने भाजपा की मजबूती और विपक्ष की कमजोरी उजागर कर दी

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि चार विधायकों ने जानबूझकर गलत प्राथमिकता क्रम अंकित कर अपने वोट अमान्य किए और भाजपा की मदद की। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इसे फिक्स मैच बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की मिलीभगत करार दिया। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में शुक्रवार को उस समय हलचल मच गई जब राज्यसभा चुनाव में अप्रत्याशित परिणाम सामने आए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी अपेक्षा से अधिक समर्थन पाकर एक सीट जीत ली, जबकि कठउक्कअ गठबंधन (राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी) ने शेष तीन सीटें अपने नाम कीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार को हराया, जबकि भाजपा के पास महज 28 विधायक हैं लेकिन सत शर्मा को 32 वोट मिले। चार अतिरिक्त वोट कहां से आए, यह अब सबसे बड़ा राजनीतिक सवाल है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि चार विधायकों ने जानबूझकर गलत प्राथमिकता क्रम अंकित कर अपने वोट अमान्य किए और भाजपा की मदद की। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इसे फिक्स मैच बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की मिलीभगत करार दिया। यह चुनाव इसलिए भी खास था क्योंकि एक दशक से अधिक समय बाद जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव हुआ है। 88 में से 86 विधायकों ने मतदान किया, जिसमें एक वोट डाक से डाला गया। एनसी के उम्मीदवार चौधरी मोहम्मद रमजान और साजिद किचलू पहली दो सीटों पर आसानी से विजयी रहे, जबकि तीसरी सीट पर पार्टी को कांग्रेस और पीडीपी का समर्थन मिला। कांग्रेस इस बार पहली बार राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतार सकी, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उसे केवल चौथी असुरक्षित सीट देने का प्रस्ताव दिया था। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए विपक्षी खेमे में सेंधमारी की और अंततः अपने प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा को जिताने में सफल रही। सबसे बड़ी बहस इस बात पर है कि वह चार विधायक कौन थे जिन्होंने विपक्ष को समर्थन का वादा करने के बावजूद भाजपा के पक्ष में वोट दिया या अपने मत जानबूझकर अमान्य किए। चूंकि राज्यसभा चुनाव में मतदान गोपनीय नहीं होता, फिर भी निर्दलीय विधायकों को अपने मत पत्र दिखाने की बाध्यता नहीं है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह परिणाम विपक्षी एकता के भीतर विश्वास के संकट की ओर संकेत करता है। कठउक्कअ गठबंधन की कथित मजबूती अब प्रश्नों के घेरे में है। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां क्षेत्रीय दलों की राजनीति पहचान और अस्मिता के सवालों से जुड़ी होती है, ऐसे परिणाम गठबंधन की नैतिक साख पर असर डाल सकते हैं। देखा जाये तो नेशनल कॉन्फ्रेंस को इस परिणाम के बाद आत्ममंथन करना होगा। उसने कांग्रेस और पीडीपी के साथ मिलकर तीन सीटें तो जीत लीं, लेकिन चौथी सीट पर पराजय से यह स्पष्ट है कि उसकी पकड़ पूरी तरह मजबूत नहीं रही। असुरक्षित सीट पर हार ने यह भी दिखाया कि एनसी को अपने सहयोगियों पर भरोसा नहीं था और शायद यही रणनीतिक गलती भारी पड़ी। जम्मू-कश्मीर में भाजपा का यह परिणाम राजनीतिक पुनर्स्थापन के संकेत देता है। 2019 के बाद से जबसे अनुच्छेद 370 हटाया गया, भाजपा को स्थानीय राजनीति में बाहरी दल की तरह दिखाने का अभियान विरोधी दलों की ओर से चलाया गया। लेकिन इस चुनाव में क्रॉस वोटिंग के सहारे सीट जीतकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि वह अब भी क्षेत्रीय सत्ता संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। यह परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी कठउक्कअ गठबंधन के लिए झटका है। यह दिखाता है कि विपक्ष की एकता केवल औपचारिक है; जमीनी स्तर पर मतभेद और स्वार्थ राजनीति पर हावी हैं। कांग्रेस की भूमिका विशेष रूप से कमजोर दिखी क्योंकि वह न तो अपने राज्य इकाई की बात मनवा सकी, न ही चौथी सीट पर जोखिम लेने का साहस दिखा सकी। साथ ही सज्जाद लोन की फिक्स मैच वाली टिप्पणी केवल राजनीतिक बयान नहीं बल्कि स्थानीय राजनीति में अविश्वास के बढ़ते माहौल का संकेत है। जब जनता यह देखती है कि विधायकों की निष्ठा किस दिशा में झुकती है, तो लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर पड़ता है। बहरहाल, राज्यसभा चुनाव का यह परिणाम केवल एक संसदीय उपलब्धि नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति में विश्वास, गठबंधन और वैचारिक प्रतिबद्धता के नए परीक्षण का प्रतीक है। भाजपा ने दिखा दिया कि वह अभी भी अप्रत्याशित समीकरण बनाकर खेल पलट सकती है। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके सहयोगियों को यह समझना होगा कि केवल भाजपा-विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है।

> ***कांग्रेस इस बार पहली बार राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतार सकी, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उसे केवल चौथी असुरक्षित सीट देने का प्रस्ताव दिया था। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए विपक्षी खेमे में सेंधमारी की और अंततः अपने प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा को जिताने में सफल रही। सबसे बड़ी बहस इस बात पर है कि वह चार विधायक कौन थे जिन्होंने विपक्ष को समर्थन का वादा करने के बावजूद भाजपा के पक्ष में वोट दिया या अपने मत जानबूझकर अमान्य किए। चूंकि राज्यसभा चुनाव में मतदान गोपनीय नहीं होता, फिर भी निर्दलीय विधायकों को अपने मत पत्र दिखाने की बाध्यता नहीं है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह परिणाम विपक्षी एकता के भीतर विश्वास के संकट की ओर संकेत करता है। कठउक्कअ गठबंधन की कथित मजबूती अब प्रश्नों के घेरे में है। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां क्षेत्रीय दलों की राजनीति पहचान और अस्मिता के सवालों से जुड़ी होती है, ऐसे परिणाम गठबंधन की नैतिक साख पर असर डाल सकते हैं। देखा जाये तो नेशनल कॉन्फ्रेंस को इस परिणाम के बाद आत्ममंथन करना होगा। उसने कांग्रेस और पीडीपी के साथ मिलकर तीन सीटें तो जीत लीं, लेकिन चौथी सीट पर पराजय से यह स्पष्ट है कि उसकी पकड़ पूरी तरह मजबूत नहीं रही। असुरक्षित सीट पर हार ने यह भी दिखाया कि एनसी को अपने सहयोगियों पर भरोसा नहीं था और शायद यही रणनीतिक गलती भारी पड़ी। जम्मू-कश्मीर में भाजपा का यह परिणाम राजनीतिक पुनर्स्थापन के संकेत देता है। 2019 के बाद से जबसे अनुच्छेद 370 हटाया गया, भाजपा को स्थानीय राजनीति में बाहरी दल की तरह दिखाने का अभियान विरोधी दलों की ओर से चलाया गया। लेकिन इस चुनाव में क्रॉस वोटिंग के सहारे सीट जीतकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि वह अब भी क्षेत्रीय सत्ता संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। यह परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी कठउक्कअ गठबंधन के लिए झटका है। यह दिखाता है कि विपक्ष की एकता केवल औपचारिक है; जमीनी स्तर पर मतभेद और स्वार्थ राजनीति पर हावी हैं। कांग्रेस की भूमिका विशेष रूप से कमजोर दिखी क्योंकि वह न तो अपने राज्य इकाई की बात मनवा सकी, न ही चौथी सीट पर जोखिम लेने का साहस दिखा सकी। साथ ही सज्जाद लोन की फिक्स मैच वाली टिप्पणी केवल राजनीतिक बयान नहीं बल्कि स्थानीय राजनीति में अविश्वास के बढ़ते माहौल का संकेत है। जब जनता यह देखती है कि विधायकों की निष्ठा किस दिशा में झुकती है, तो लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर पड़ता है।***

कर्ज के सैलाब,आतंकवाद की मानसिकता में डूबता पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

पाकिस्तान आज ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ विदेशी उधारी उसकी अर्थव्यवस्था के गले की फांस बन चुकी है, और आतंकवाद उसकी राजनीतिक कमजोरी। मई 2025 में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से हुए नए समझौते के तहत पाकिस्तान को महज 1 अरब डॉलर की रिहाई मिली यह राहत नहीं, बल्कि सरकारी आँकड़ों के अनुसार, देश का कुल सार्वजनिक और गारंटीशुदा कर्ज अब ळक्ष् के 70: से अधिक हो चुका है।वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान की आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और ऊर्जा-संकट की त्रासदी से त्रस्त है। आटा सौ रुपए किलो से ऊपर, बिजली की दरों में 30: से अधिक वृद्धि, और बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर। एक समय का कृषि-प्रधान राष्ट्र अब कर्ज और कट्टरता के बोझ से कराह रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पुनः सशक्त होने के बाद, पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति और भी डांवाडोल हो गई है ।तालिबान के गुट, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ज्च्च्) जैसे संगठनों को पाकिस्तान की नीति ने कभी रणनीतिक गहराई समझा थाय आज वही उसके गले की फाँस बन चुके हैं। सीमा पार से लगातार हमले, विद्रोही गतिविधियाँ और आतंकी घुसपैठ पाकिस्तान की भीतर की असुरक्षा को और उजागर कर रही है। जिस देश ने दशकों तक अफगानिस्तान को अपनी सैन्य प्रयोगशाला बनाया, आज वही उसका सबसे असुरक्षित पड़ोसी बन चुका है। अमेरिका का पाकिस्तान के प्रति दृष्टिकोण अब ठंडा और व्यवहारिक है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद वाशिंगटन ने पाकिस्तान से दूरी बना ली। अमेरिका अब भारत और इंडो-पैसिफिक रणनीति पर अधिक केंद्रित है, और पाकिस्तान को सुरक्षा साझेदार के बजाय भू-राजनीतिक बोझ की तरह देख रहा है। इमरान खान का अमेरिका विरोध और चीन झुकाव नीति इस दूरी को और बढ़ा चुकी है। अब अमेरिकी कूटनीति पाकिस्तान को केवल आतंक-नियंत्रण और मानवाधिकार के चश्मे से देखती है कृ मदद या निवेश की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी है ।चीन के साथ पाकिस्तान की दोस्ती अब कर्जी रिश्ते में बदल चुकी है। चीन-पाक आर्थिक गलियारा (ब्च्ब्) जिसे कभी विकास की जीवनरेखा कहा गया था, अब कर्ज और निर्भरता की जंजीर बन चुका है ।चीन ने अरबों डॉलर का निवेश किया, पर उस निवेश का नियंत्रण पूरी तरह बीजिंग के हाथ में है। चीन पाकिस्तान को रणनीतिक उपनिवेश की तरह देख रहा है जहाँ उसका आर्थिक नियंत्रण, बंदरगाहों पर सैन्य पहुँच, और संसाधनों पर प्रभुत्व स्थापित हो रहा है। ग्वादर पोर्ट आज पाकिस्तान की नहीं, बल्कि चीनी सैन्य योजना का हिस्सा बन चुका है। इमरान सरकार और अब शहबाज शरीफ की सरकार, दोनों ही चीन पर अत्यधिक निर्भरता के जाल में फँस चुके हैं। चीन से मिलने वाले 11 अरब डॉलर के सहायता-पैकेज और एड्थ की कड़ी शर्तों के बीच पाकिस्तान का बजट मानो उधार के ऑक्सीजन सिलिंडर पर टिका है ।जब कोई देश भीतर से कमजोर होता है, तो वह बाहरी दुश्मन की कल्पना करता है। इमरान खान के समय से लेकर अब तक, पाकिस्तान के नेतृत्व ने भारत-विरोध को अपनी विफलताओं की ढाल बना लिया है ।ड्रोन हमले, सीमा पार घुसपैठ, या भारत के विरुद्ध बयानबाजी ये सब जनता के ध्यान को महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से भटकाने की कोशिशें हैं। दूसरी तरफ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि एक शांति-दूत और विकास के प्रतीक के रूप में पाकिस्तान के नेतृत्व को असहज करती है। भारत जहाँ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है,वहीं पाकिस्तान कर्ज निर्भरता की दलदल में डूबता जा रहा है ।पाकिस्तान की स्थिति अब आर्थिक संकट से आगे बढ़कर राजनीतिक अव्यवस्था में बदल रही है देश के भीतर की सत्ता-लड़ाई, सेना का अप्रत्यक्ष नियंत्रण, और जनता की आक्रोश ये सब संकेत हैं कि दिवालियापन केवल वित्तीय नहीं, वैचारिक भी है। कर्ज, आतंकवाद और कूटनीतिक असफलताओं के इस त्रिकोण ने पाकिस्तान कोदक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर राष्ट्रों की पंक्ति में ला खड़ा किया है। यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो निकट भविष्य में पाकिस्तान न केवल प्डथ पर, बल्कि चीन की कर्जी पकड़ में पूरी तरह समा जाएगा।और तब इतिहास यही कहेगा जिस देश ने आतंक को नीति बनाया, उसे कर्ज और अराजकता ने निगल लिया।

अंग्रेजों के जमाने के जेलर जीवन से रिटायर

स्मृति शेषः असरानी

हिंदी फिल्मों के कुछ एक्टर ऐसे हुए, जिनके कुछ किरदार मील का पत्थर बन गए। ऐसा ही एक यादगार किरदार है अंग्रेजों के जमाने का जेलर यानी शोले के असरानी। 70 के दशक से फिल्मों में आए गोवर्धन असरानी ने कई सालों तक परदे पर कॉमिक कैरेक्टर जिया। उन्होंने अपने अभिनय जीवन में सहज हास्य और जीवंत संवाद डिलीवरी के जरिए सिनेमा में अपनी पहचान बनाई। असरानी ने दिल्ली की रामलीला में भी नारद मुनि जैसे किरदार निभाए। उन्होंने हिंदी के अलावा गुजराती, राजस्थानी समेत कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया और निर्देशन में भी हाथ आजमाया। उनका शोले का किरदार यादगार बन गया कि उस रोल में उनकी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग रही। असरानी ने गंभीर और चरित्र भूमिकाएं भी निभाईं, जिससे उनके अभिनय की गहराई और बहुमुखी प्रतिभा दिखाई दी। उनकी कॉमेडी में भी गहराई और संवेदनशीलता झलकती थी। असरानी की कॉमेडी हल्के-फुल्के मजाक तक सीमित नहीं थी। उसमें समाज की सच्चाइयों और मानव स्वभाव की कमजोरियों पर भी व्यंग्य छिपा होता था। वे चरित्र की कमजोरियों को समझाने और दशार्ने में दक्ष थे। इसलिए असरानी की कॉमेडी शैली को बहुत नैचुरल, टाइम्ड, विनम्र और सामाजिक-संदेशवाहक माना जाता रहा। इसीलिए उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित हास्य कलाकारों में से एक माना जाता रहा। उनकी कॉमिक भूमिका जीवन के यथार्थ को व्यंग्य से जोड़ती है । असरानी अपनी भूमिका में पूरी तरह

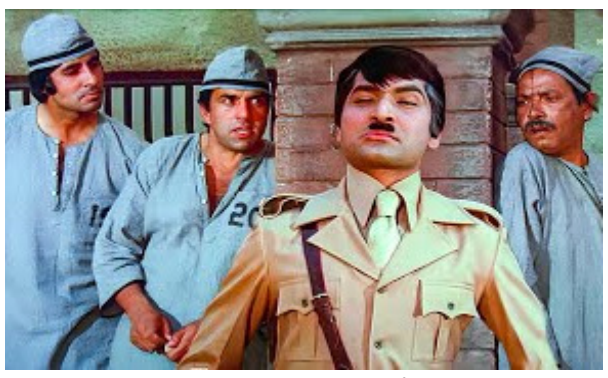

डूबकर उस किरदार की नाटकीयता और मूर को यथार्थ रूप में प्रस्तुत करते थे। उनकी डायलॉग डिलीवरी में एक खास रिदम और पंच लाइन होती थी, जिससे दर्शक हंसने पर मजबूर हो जाता था। असरानी ने सिनेमा में निर्देशन की कमान भी संभाली। 1977 में एक सेमी बायोग्राफिकल फिल्म चला मुरारी हीरो बनने बनाई। पर, इस फिल्म को सफलता नहीं मिली। इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। बाद में सलाम मेमसाब, हम नहीं सुधरेंगे, दिल ही तो है और उड़ान फिल्में बनाई। असरानी ने पिया का घर, मेरे अपने, परिचय, बावर्ची, नमक हराम, अचानक, अनहोनी जैसी कई बड़ी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभाए। हालांकि दर्शकों ने उन्हें कॉमेडियन के रोल में ही ज्यादा पसंद किया। साल 1972 में आई फिल्म कोशिश और चौताली में निगेटिव भूमिकाएं भी की। उनकी कॉमेडी में जीवन के व्यंग्य और सामाजिक वास्तविकता झलकती थी, इसलिए उनका हास्य केवल मनोरंजन का माध्यम न होकर समाज शास्त्रीय दृष्टिकोण रखता था। शोले के जेलर वाले रोल में वे बिना जोर-शोर के भी हंसाने में कामयाब रहे। वे मुखर थे, लेकिन कभी भी कॉमेडी में अधीरता या बेवजह के शोरगुल का सहारा नहीं लिया। जबकि उनके समकालीन रहे महमूद की कॉमेडी वाले सीन ऊजार्वान और विजुअली प्रमोटेड कॉमेडी के लिए जाने जाते थे। इसके अलावा जॉनी लीवर या राजपाल यादव से भी उनकी तुलना की जाए, तो असरानी का अंदाज ज्यादा क्लासिक, रियल और नैचुरल था। महमूद और असरानी हिंदी सिनेमा के दो अलग-अलग कॉमेडी स्टाइल के धुरंधर कलाकार थे। जहां महमूद का अंदाज एनर्जेटिक था, वहीं असरानी की कॉमेडी हंसाने के बाद सोचने को भी मजबूर करती थी। सिनेमा से जुड़ी कोई भी विधा हो। यदि कलाकार में दम हो, तो वो अपने जीवन में कुछ ऐसा अजूबा कर जाता है, जो मील का पत्थर बन जाता है। असरानी ने भी अपने करियर में करीब 350 फिल्मों में काम किया। लेकिन, शोले (1975) में उनके जेलर के किरदार ने उन्हें अलग ही पहचान दी। उनका हिटलर जैसा लुक, छड़ी उठाने का अंदाज और संवाद आधे इधर जाओ, आधे उधर जाओ और बाकी हमारे पीछे आओ कॉमेडी का मास्टरपीस माना जाता है। फिल्म के इस दृश्य को हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार कॉमिक सीन में गिना जाता है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की एक्टिंग की जितनी चर्चा हुई, उतनी ही असरानी के जेलर वाले रोल की भी हुई। हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं इस डायलॉग ने कोने-कोने में गूंज पैदा कर दी थी। अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों में तो असरानी ने बराबरी की रोल निभाए थे। जैसे अभिमान में उन्होंने चरित्र अभिनेता का रोल किया था। फिल्मों में असरानी के डायलॉग सटीक और प्रभावशाली होते थे, जिसकी पंचलाइन इतनी स्वाभाविक होती थी कि बिना कहे भी हंसा देते थे।

तेल प्रतिबंध में अवसर

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफ से जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वाताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निस्संदेह, भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है। आने वाले समय में यह दबाव कितना रहेगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप, दोनों इस नवीनतम टकराव को किस हद तक झेलने के लिये तैयार हैं। भारतीय रिफाइनरियां आवश्यकता पड़ने पर आसानी से नये स्त्रोतों की ओर रुख कर सकती हैं और अमेरिकी टैरिफ में कमी करके महंगे तेल आयात की भरपाई की जा सकती है। भारत के हितों के अनुकूल निर्णय लेने की अपनी स्वायत्तता पर जोर देना, नई दिल्ली के लिये असली चुनौती है। हमने सस्ता रूसी तेल खरीदने में एक अलग राह चुनी। अब समय आ गया है कि प्रतिबंधों का लाभ उठाकर अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जो दोनों देशों के लिये फायदेमंद हो।

रोहित ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक बार वनडे शतक लगाने वाले विदेशी बल्लेबाज, कोहली-संगकारा को पछाड़ा

सिडनी (एजेंसी)। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में 105 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 33वां सैकड़ा पूरा किया। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। रोहित ने 105 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 33वां सैकड़ा पूरा किया। कोहली और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 130+ रनों की साझेदारी पूरी हो गई है। रोहित इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया में वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। सिडनी में गरजा फ्ब्ब्-ङ्क्ष का बल्ला ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने भारत को अच्छी शुरूआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। इसे हेजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा।

पलक तिवारी का सिजलिंग लुक

ट्रांसपेरेंट ड्रेस में काउच पर दीं दिलकश पोज

बॉलीवुड और टीवी की नई स्टार पलक तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ब्लू पोलका डॉट ट्रांसपेरेंट ड्रेस में काउच पर दिलकश पोज देती पलक की तस्वीरें फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं और उनकी अदाओं ने सबका ध्यान खींच लिया है। पलक ने इस बार अपने लेटेस्ट फोटोशूट में ब्लू पोलका डॉट वाली ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी, जिसमें वह बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश नजर आईं। तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते ही तेजी से वायरल हो गईं। पलक ने तस्वीरों के साथ कई ब्लू हार्ट इमोजी कैप्शन में लगाई। पलक ने हमेशा अपने परिवार के साथ अपने करीबी रिश्ते की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। उनकी मां श्वेता तिवारी के साथ उनकी गहरी बॉन्डिंग दर्शकों और फैंस को बहुत पसंद आती है। तस्वीरों में पलक काउच पर बैठकर दिलकश पोज दे रही हैं। उनके इस अंदाज पर फैंस भी दिल हार बैठे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो पलक तिवारी आखिरी बार फिल्म द भूतनी में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मौनी रॉय और सनी मुनि ने काम किया था। इसके अलावा पलक की आने वाली फिल्में और प्रोजेक्ट्स की तैयारी भी जोरों पर है। फैंस उनके ग्लैमरस लुक और स्टाइल को देखकर सोशल मीडिया पर लगातार तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस ने लिखा कि पलक इंडस्ट्री की नई फैशन आइकॉन बनती नजर आ रही हैं।

प्रभास स्टारर फौजी में संस्कृत श्लोक क्यों? निर्देशक हनु राघवपुड़ी ने बताई बड़ी वजह

फौजी इस वक्त सबसे ज्यादा चर्चित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक बन गई है। यह बाहुबली के बाद पहली बार होगा जब प्रभास एक पीरियड ड्रामा में नजर आएंगे, जहां वो आजाद हिंद फौज के एक सैनिक का किरदार निभाते नजर आएंगे डायरेक्टर हनु राघवापुडी ने अपनी आने वाली फिल्म फौजी के बारे में बात की, जिसमें प्रभास लीड रोल में हैं। यह फिल्म भारत के आजादी से पहले के समय पर आधारित है और इसमें देशभक्ति, गहरी भावनाएँ और

जिंदगी के महत्वपूर्ण विचार देखने को मिलने वाले हैं।कहते हैं कि कहानी को और असरदार बनाने के लिए राघवापुडी ने कहा, हमने जानबूझकर संस्कृत श्लोकों का इस्तेमाल किया क्योंकि ये हमारे योद्धा की कहानी में गहराई और अर्थ जोड़ते हैं। लेकिन यह कोई पौराणिक फिल्म नहीं है। हमने सिर्फ भगवद गीता से दार्शनिक प्रेरणा ली है। फौजी एक ताकतवर देशभक्ति ड्रामा है जो ब्रिटिश काल में इंसानी भावनाओं और सामाजिक-राजनीतिक तनावों को दिखाती है, जिनका असर आज भी दुनिया भर में महसूस किया जाता है।

बिग बॉस 19: सलमान खान ने बसीर-नेहल के फेक रोमांस का किया खुलासा, घरवालों को दी कड़ी चेतावनी

बिग बॉस 19 के घर में इस हफ्ते बसीर अली और नेहल के बीच नजदीकियों ने सुर्खियां बटोर ली हैं। शो के शुरूआती दिनों में अक्सर लड़ाई-झगड़ों और टकराव के लिए जाने जाने वाले ये दोनों प्रतियोगी अब अचानक एक दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। घरवालों और दर्शकों को यह बदलाव चौंकाने वाला लग रहा है। कई फैंस और घर के सदस्यों का मानना है कि यह नया लव एंगल असली नहीं बल्कि एक फेक ड्रामा हो सकता है। अब वीकेंड का वार में सलमान खान ने बसीर और नेहल की इस फेक लव स्टोरी पर सवाल उठाते हुए उन्हें आईना दिखाया और सच सामने लाने की कोशिश की। वीकेंड का वार में होस्ट सलमान खान ने घरवालों को जमकर रियलिटी चेक दिया। सलमान ने साफ किया कि क्यों कुछ प्रतियोगियों की छोटी-छोटी बातें घर में इतना बड़ा ड्रामा बन जाती हैं। सलमान ने तान्या मित्तल के समर्थन में बात करते हुए घरवालों से पूछा कि आखिर फरहाना और तान्या की दोस्ती पर उन्हें इतनी ऐतराज क्यों है। सलमान खान ने बसीर अली, नेहल और मृदुल तिवारी को सीधी फटकार लगाई। उन्होंने न सिर्फ बसीर-नेहल की दोस्ती-रोमांस पर सवाल उठाया बल्कि फरहाना को भी चेतावनी दी कि वह दूसरों के साथ

अपने व्यवहार में सीमा बनाए रखें और किसी को परेशान न करें। सलमान की बात सुनकर फरहाना थोड़ा चौंकी लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में हल्की मुस्कान भी दिखी। पहले जहां बसीर और नेहल एक-दूसरे के खिलाफ खड़े रहते थे और अक्सर लड़ाई-झगड़े होते थे, वहीं अब अचानक उनके बीच क्लोजनेस और रोमांटिक एंगल नजर आने लगा। इस बदलाव ने दर्शकों को हैरान कर दिया और सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या यह फेक लव स्टोरी है या सच्चाई। सलमान खान ने इस पर भी स्पष्ट फीडबैक दिया और कहा कि बसीर और नेहल को अपनी पिछली लड़ाई-झगड़ों को भूलकर अचानक प्यार दिखाने का कोई मतलब नहीं है। सलमान की फटकार के बाद दोनों प्रतियोगी गुमसुम नजर आए और घर के बाकी सदस्य भी इस ड्रामेटिक पल को देख सकते थे। सलमान खान की चेतावनी और फटकार के बाद घरवालों की रणनीति बदलने की संभावना है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बसीर-नेहल का रिश्ता वाकई बदलता है या सिर्फ दर्शकों को ध्यान में रखते हुए दिखावा है। वहीं फरहाना और तान्या के लिए भी यह समय धैर्य और सोच समझकर दोस्ती निभाने का होगा। फैंस इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या बसीर और नेहल का प्यार असली है या सिर्फ शो में टीआरपी बढ़ाने के लिए बनाया गया ड्रामा। बिग बॉस 19 के इस वीकेंड वार ने घर के संबंधों और टकरावों को नए मोड़ पर ला दिया है। अब आने वाले एपिसोड में यह देखने लायक होगा कि घरवालों का रवैया कैसे बदलता है और कौन किसके साथ दोस्ती या दुश्मनी निभाता है।

केबीसी 17: दिलजीत दोसांझ का भावुक जेस्चर

अमिताभ बच्चन के पैर छूते वीडियो वायरल

टीवी का पॉपुलर गेम शो कौन बनेगा करोड़पति 17 इस हफ्ते एक खास एपिसोड के लिए तैयार है। इस एपिसोड में बॉलीवुड और पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ कौन बनेगा करोड़पति 17 मंच पर पहुंचेंगे। मेकर्स ने हाल ही में इसका प्रोमो जारी किया है जिसमें दिलजीत की अमिताभ बच्चन के साथ खास मुलाकात

नजर आ रही है। प्रोमो में दिखाया गया कि दिलजीत दोसांझ शो में एंट्री करते ही अमिताभ बच्चन के पैर छूते हैं। इस पर बिग बी ने दिलजीत को गले लगाया और दोनों कलाकारों के बीच आपसी स्नेह और सम्मान साफ झलकता है। अमिताभ बच्चन ने दिलजीत को मंच पर बुलाते हुए उन्हें पंजाब दा पुत्तर कहा, तो वहीं दिलजीत भी पंजाबी अंदाज में मंच पर गाना गाते हुए पहुंचे। केबीसी 17 में अपनी उपस्थिति के बीच दिलजीत दोसांझ कई प्रोजेक्ट्स में भी व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने अपने नए गाने कुफर का सिंगल रिलीज किया है। इसके अलावा वह फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल और वरुण धवन के साथ काम कर रहे हैं। दिलजीत का अंतरराष्ट्रीय दौरा भी जारी हैय वे कुआलालंपुर, हांगकांग और दिसंबर में बैंकॉक में फैंस के सामने प्रदर्शन करेंगे। यह खास एपिसोड 31 अक्टूबर, 2025 को प्रसारित होगा। इस दौरान दिलजीत दोसांझ और अमिताभ बच्चन के बीच मजेदार बातचीत, खुलासे और दिल से जुड़े पल देखने को मिलेंगे। दर्शकों को दिलजीत की पंजाबी जड़ों और बिग बी के प्रति सम्मान का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। दिलजीत के इस व्यवहार को सोशल मीडिया पर काफी सराहा गया। कई फैंस ने लिखा कि यह एपिसोड पंजाबी संस्कृति और ग्लोबल पहचान को शानदार तरीके से पेश करता है। कुछ ने इसे सच्चा क्रॉसओवर एपिसोड कहा तो कई ने दिलजीत के सम्मानपूर्ण रवैये की तारीफ की।

दृश्यम 3 में नहीं दिखेंगे परेश रावल, बोले-रोल उन्हें पसंद नहीं आया

बॉलीवुड में हाल ही में फिल्म दृश्यम 3 को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अजय देवगन की थ्रिलर फिल्म में कहा जा रहा था कि अभिनेता परेश रावल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिखेंगे। लेकिन हाल ही में सामने आया कि उन्होंने फिल्म में शामिल होने से इनकार कर दिया है। परेश रावल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा, मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट अच्छी लगी और कहानी इंट्रेस्टिंग थी, लेकिन जो किरदार मुझे ऑफर किया गया, वह मेरे लिए सही नहीं था। मैं ऐसा रोल निभाना नहीं चाहता था, इसलिए मैंने फिल्म साइन नहीं की। स्क्रिप्ट जितनी भी अच्छी हो, अगर आपका किरदार

उसमें रोचक नहीं है तो पूरी फिल्म का मजा फीका पड़ जाता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी तक जो भी रिपोर्ट्स सामने आई हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। मेकर्स ने उन्हें अप्रोच किया था, लेकिन रोल उनके मुताबिक फिट नहीं था।दृश्यम 3 की शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है और फिल्म के मलयाली वर्जन के प्रोड्यूसर जीतू जोसेफ से हिंदी वर्जन के निर्माण की परमिशन अभी बाकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार हिंदी और मलयालम दोनों वर्जन की शूटिंग जल्द ही शुरू हो सकती है। मलयालम वर्जन के मेकर्स ने 2026 की शुरूआत में फिल्म को रिलीज करने की योजना बनाई है, जबकि हिंदी वर्जन इससे पहले रिलीज होगा। हालांकि, जीतू जोसेफ ने हिंदी टीम को साफ चेतावनी दी है कि बिना उनकी अनुमति कोई भी कंटेंट रिलीज न करें, वरना कड़ी कार्रवाई की जाएगी।दृश्यम 3 में अजय देवगन, तब्बू, रजत कपूर, श्रेया सरन और इशिता दत्ता जैसे किरदार पहले वर्जन की तरह नजर आएंगे। फिल्म का टीजर 2 अक्टूबर 2025 को रिलीज होने वाला था, लेकिन किसी कारणवश यह नहीं हुआ। कहा जा रहा है कि मलयालम वर्जन के प्रोड्यूसर्स और आशीर्वाद सिनेमाज के बीच परमिशन के मसले के चलते किसी भी तरह का कंटेंट रिलीज नहीं किया गया।

शक्ति शालिनी में दिखेंगी सैयारा फेम अनीत, मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एंट्री पर आयुष्मान ने किया वेलकम

मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी में सैयारा फेम अनीत पड्डा अहम किरदार में होंगी। इस नई एंट्री पर थामा के हीरो आयुष्मान खुराना ने पोस्ट की और अनीत का स्वागत किया। इन दिनों मैडॉक की हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा सिनेमाघरों में मौजूद है। इस बीच मैडॉक यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी की घोषणा हुई। इसमें सैयारा फेम अनीत नजर आएंगी। इस बात को लेकर आयुष्मान खुराना ने एक पोस्ट साझा की है। मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एंट्री पर अनीत का जबरदस्त स्वागत आयुष्मान खुरान ने किया है। आयुष्मान ने लिखा- पंजाबी आ गए ओए आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए लिखा, पंजाबी आ गए ओए। जो चाहती हो, उसका पीछा करती रहो। यह बात एक सपने देखने वाला दूसरे सपने देखने वाले शख्स से कह रहा है। कुछ भी नामुमकिन नहीं है। पंजाब से कोई हम देख रहा होगा, तो बहुत गर्व कर रहा होगा। कैसे हुआ 'शक्ति शालिनी' में अनीत का सेलेक्शन 'बॉलीवुड हंगामा' के साथ किए गए एक हालिया इंटरव्यू में फिल्ममेकर अमर कौशिक ने बताया कि जब शक्ति शालिनी की कहानी लिखी जा रही थी, तब उन्हें अहसास हुआ कि फिल्म के किरदार के लिए एक युवा चेहरे की जरूरत है, जो मासूमियत और गहराई दोनों साथ लेकर चले। इसी दौरान उन्होंने 'सैयारा' फिल्म देखी, जिसमें अनीत पड्डा का अभिनय उन्हें इतना प्रभावशाली लगा कि उन्होंने तुरंत उन्हें फिल्म के लिए अप्रोच किया। अनीत ने कहानी सुनी और बिना देर किए फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी। मैडॉक की चर्चित हॉरर-कॉमेडी फिल्में मैडॉक ने पिछले कुछ सालों में हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का अलग यूनिवर्स तैयार कर लिया है। इसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री, वरुण धवन की भेड़िया, शरवरी और अभय वर्मा स्टारर मुंज्या और आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा शामिल है।

पाकिस्तान खिलाड़ियों को पीसीबी ने दी बड़ी राहत, इस विदेशी लीग में खेल सकेंगे खिलाड़ी; एनओसी विवाद सुलझा

कराची (एजेंसी)। बीबीएल का आगामी सीजन 14 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक चलेगा और इसमें 44 मैच खेले जाएंगे। इन पाकिस्तानी खिलाड़ियों में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, शादाब खान, मोहम्मद रिजवान, हसन अली और हसन खान शामिल हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने खिलाड़ियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम सहित शीर्ष पाकिस्तानी क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया की आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में भाग ले सकेंगे, क्योंकि पीसीबी ने उन्हें भागीदारी के लिए मंजूरी दे दी है। इस तरह कई हफ्तों से चली आ रही अनिश्चितता समाप्त हो गई है, जिसने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और फ्रेंचाइजी टीमों को चिंतित कर दिया था। पीसीबी ने एनओसी किया था निलंबित संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप फाइनल में भारत से पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी ने विदेशी टी20 लीग में खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को निलंबित कर दिया था। अब मौजूदा अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए इसे अपवाद बना दिया गया है, जिससे वे टूर्नामेंट में खेल सकेंगे। बीबीएल के 15वें संस्करण के लिए सात राष्ट्रीय खिलाड़ियों की पुष्टि हो गई है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति की मांग- रूस के तेल पर प्रतिबंध और बढ़ाए अमेरिका

लंबी दूरी की मिसाइलें भी मांगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिका से अपील की कि वह रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर पूरे रूसी तेल क्षेत्र के लिए लागू करे। उन्होंने साथ ही अमेरिका से लंबी दूरी की मिसाइलों की भी मांग की, ताकि यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सके।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह बयान ब्रिटेन के लंदन में दिया। वे यहां यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन को आश्वासन दिया कि अगर रूस के साथ उसका संघर्ष विराम लागू हो जाता है तो यूरोपीय देश भविष्य में रूसी हमलों से यूक्रेन की रक्षा के लिए सैन्य सहायता मुहैया कराएंगे। रूसी तेल क्षेत्र पर दबाव की रणनीति यूरोपीय देश के नेताओं और जेलेंस्की की बैठक ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की मेजबानी में हुई। जेलेंस्की ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का हालिया निर्णय, जिसमें रूस की कुछ कंपनियों पर तेल प्रतिबंध लगाए गए हैं, एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, हमें केवल रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नहीं, बल्कि सभी रूसी तेल कंपनियों पर दबाव डालना चाहिए। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन अपनी ओर से भी ड्रोन और मिसाइलों के जरिए रूसी तेल क्षेत्र को निशाना बना रहा है। इसी के साथ उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह यूक्रेन की रूस में हमले की क्षमता बढ़ाने के लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली टॉमहॉक मिसाल मुहैया कराए। पुतिन पर भड़के यूरोप-नाटो के नेता जेलेंस्की से बातचीत के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, पुतिन ने एक बार फिर बातचीत का मौका ठुकरा दिया है और यूक्रेन की जमीन पर अव्यवहारिक मांगें रखी हैं। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। दूसरी तरफ नाटो प्रमुख मार्क रुट ने कहा कि पुतिन अब पैसे, सैनिकों और विचारों की कमी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन औ प्रधानमंत्री डिक शूफ ने भी इस बैठक में रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर अपनी बात रखी। बताया गया है कि बैठक में 20 से ज्यादा नेता वीडियो लिंक से जुड़े थे। लंदन में बैठक के दौरान एक संभावित रीएश्योरेंस फोर्स की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई, जो यूक्रेन की रक्षा में मदद करेगी। ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि यह आकाश और समुद्र की सुरक्षा करने और यूक्रेनी सेना को प्रशिक्षित करने वाली ताकत होगी। ट्रंप-पुतिन की बैठक टलने से अटकीं संघर्ष विराम की कोशिशें बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हंगरी के बुडापेस्ट में मुलाकात होनी थी। हालांकि, बाद में ट्रंप ने कहा है कि वह पुतिन से जल्द मुलाकात नहीं करेंगे क्योंकि वह समय की बबार्दी होगी। रूस अब तक युद्धविराम या शांति समझौते की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा सका है और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद नए रास्ते तलाश रहा है।

चुनाव की तारीखों का जल्द हो सकता है एलान, निर्वासित बीएनपी नेता तारिक रहमान जल्द लौटेंगे स्वदेश

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के मौजूदा हालात में बीएनपी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और अगर सब कुछ सही रहा तो आगामी आम चुनाव में बीएनपी की जीत की संभावना सबसे ज्यादा है। बीएनपी के नेता होने के नाते तारिक रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

निर्वासित और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के शीर्ष नेता तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं। बीएनपी के शीर्ष नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने यह दावा किया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद चुनाव आयोग ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया है, जिसके बाद माना जा रहा है कि अवामी लीग आगामी चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएगी। बीएनपी नेता ने तारिक रहमान की वापसी का सही समय बताने से किया इनकार बीएनपी की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने कहा कि 'हां, हमने सुना है कि वे (तारिक रहमान) जल्द लौटेंगे और ये उन्होंने खुद कहा है। चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। हम सभी चुनाव का शेड्यूल घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे आएं और चुनाव में हिस्सा लें। हम उम्मीद कर रहे हैं कि तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे।' हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या तारिक रहमान चुनाव तारीखों का एलान होने के बाद बांग्लादेश लौटेंगे या उससे पहले? तो डॉ. खांडेकर ने कहा कि 'वे जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं, लेकिन मैं उनके लौटने का सही समय नहीं बता सकता।'

न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के लिए कुछ ही देर में शुरू होगा मतदान

भारतीय मूल के ममदानी हैं प्रमुख दावेदार

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। जोहरान ममदान के लिए जहां अपने सस्ते घरों और महंगाई काबू करने जैसे वादों को पूरा करने की चुनौती होगी, वहीं राष्ट्रपति ट्रंप से तालमेल बिठाने में भी उन्हें खासी मशक्कत करनी पड़ सकती है। न्यूयॉर्क में मेयर चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया है। इस चुनाव पर पूरे अमेरिका की नजर है। इस चुनाव में भारतीय मूल के जोहरान ममदानी डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार है और मेयर पद के तगड़े दावेदार हैं। न्यूयॉर्कवासी शनिवार से लेकर 2 नवंबर तक मतदान कर सकेंगे। मुख्य मतदान 4 नवंबर को होना है और नए साल पर विजेता मेयर पद संभालेगा। विभिन्न पोल्स में जोहरान ममदानी को 47 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है और वे एंड्रयू कुओमो से 18 पॉइंट्स आगे हैं। तीसरे स्थान पर रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस सिल्वा हैं, जिन्हें 16 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल है। 34 साल के ममदानी, राजनीतिक गुमनामी से निकलकर सबसे पसंदीदा उम्मीदवार बन गए हैं। ममदानी की लोकप्रियता इस कदर बढ़ गई है कि राष्ट्रपति ट्रंप भी उनके खिलाफ बयानबाजी करने से खुद को नहीं रोक पाए। न्यूयॉर्क में बढ़ती महंगाई एक प्रमुख मुद्दा है और जोहरान ममदानी ने लोगों को सस्ते घर और महंगाई पर काबू करने का ही वादा किया है। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में मुख्य मुकाबला डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट उम्मीदवार जोहरान ममदानी और न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो के बीच ही है। न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स मेयर पद की रेस से हट चुके हैं और उन्होंने एंड्रयू कुओमो को अपना समर्थन देने का एलान किया है। ट्रंप से तालमेल भी बड़ी चुनौती जोहरान ममदान के लिए जहां अपने सस्ते घरों और महंगाई काबू करने जैसे वादों को पूरा करने की चुनौती होगी, वहीं राष्ट्रपति ट्रंप से तालमेल बिठाने में भी उन्हें खासी मशक्कत करनी पड़ सकती है। दरअसल ममदानी ने वादा किया है कि अगर वे मेयर चुने जाते हैं तो न्यूयॉर्कवासियों को बस यात्रा और बच्चों की देखभाल मुफ्त होगी। इस पर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई है और कहा कि 'मैं न्यूयॉर्क के प्रति उदार रहा है, भले ही वहां मेरा विरोध हुआ हो, लेकिन मैं किसी वामपंथी आदमी के प्रति उदार नहीं रहूंगा, जो पैसे को बर्बाद करेगा।' ट्रंप ने न्यूयॉर्क का संघीय फंड रोकने की भी धमकी दी। हालांकि ममदानी ने ट्रंप के साथ सहयोग की इच्छा जाहिर की है। ममदानी के कैंपेन को शुक्रवार को उस वक्त और मजबूती मिली, जब डेमोक्रेट पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद हकीम जेफ्रीज ने भी ममदानी को समर्थन देने का एलान कर दिया। वामपंथी सांसद बर्नी सैंडर्स और एलेक्जेंड्रिया कोर्टेज आदि कई अन्य नेताओं ने भी जोहरान ममदानी को समर्थन देने का एलान किया है।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध लगाने पर भड़का रूस, चेतावनी देते हुए कहा- ईयू खुद को अलग-थलग कर रहा

मॉस्को (एजेंसी)। जखारोवा ने कहा कि इससे साफ है कि ईयू को ही अपने द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की प्रभावशीलता पर विश्वास नहीं है, लेकिन फिर भी वे लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ एक ऐसे रास्ते पर है, जो और भी ज्यादा विनाशकारी होता जा रहा है। यूरोपीय संघ द्वारा हाल ही में ब्रुसेल्स में हुई बैठक में रूस पर 19वां प्रतिबंध लगाने का एलान किया। यूरोपीय संघ के इस कदम से रूस भड़क गया है और रूस ने नए प्रतिबंध को अवैध बताते हुए चेतावनी दी कि इस कदम से यूरोपीय संघ खुद को अलग-थलग कर रहा है। यूरोपीय संघ ने रूस पर जो नए प्रतिबंध लगाए हैं, उनके तहत 2026 तक यूरोपीय संघ के बाजारों तक रूस की एलएनजी की आपूर्ति को प्रतिबंधित कर दिया गया है। रूस की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही कथित छद्म तेल बेड़े को भी प्रतिबंधित किया गया है। कुछ रूसी और विदेशी बैंकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वित्तीय प्रतिबंध लगाए गए हैं और कुछ सामानों के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

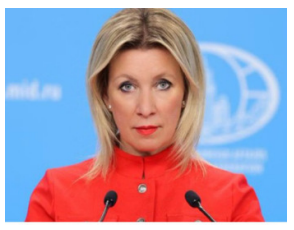

रूस ने यूरोपीय संघ को चेतावनी दी रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि यूरोपीय संघ परिषद ने हमारे देश पर अवैध और एकतरफा प्रतिबंधों के 19वें पैकेज को मंजूरी दी है। यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की प्रतिनिधि काजा कल्लास के बयान का जिक्र करते हुए जखारोवा ने कहा कि यूरोपीय संघ रूस पर और प्रतिबंध लगाने के तैयारी शुरू कर चुका है। जखारोवा ने कहा कि इससे साफ है कि ईयू को ही अपने द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की प्रभावशीलता पर विश्वास नहीं है, लेकिन फिर भी वे लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ एक ऐसे रास्ते पर है, जो और भी ज्यादा विनाशकारी होता जा रहा है। 'खुद को दुनिया में अलग-थलग कर रहा यूरोपीय संघ' रूस ने कहा कि यूरोपीय संघ इस बात से अनजान है कि रूस विरोध की लड़ाई में वह खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर रहा है। यूरोपीय संघ ने मनगढ़ंत बहानों के तहत चीन, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजि किस्तान, यूएई, भारत, थाईलैंड और उत्तर कोरिया के आर्थिक ऑपरेटर्स पर भी विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगा दिए हैं।

कनाडा पोस्ट ने जारी किया दिवाली की थीम पर आधारित डाक टिकट, बताया-गर्व का पल

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा पोस्ट ने देश की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, कनाडा में लगभग 18 लाख भारतवंशी रहते हैं। कनाडा पोस्ट ने देश की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए कनाडा पोस्ट का आभार जताया। कनाडा पोस्ट ने एक बयान में कहा, दिवाली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों व अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है। बयान में रंगोली के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए इन्हें रचनात्मकता की अभिव्यक्ति व स्वागत का शानदार जरिया बताया गया है। बयान के अनुसार, रंगोली फर्श पर बनाई जाने वाली कला का सुंदर नमूना है, जिसे धोकर या झाड़कर साफ किया जा सकता है। दिवाली पर अक्सर अनाज, फूलों की पंखुड़ियों, रंगीन रेत या चावल की मदद से कमरों, आंगन व प्रवेश द्वार पर सुंदर रंगोली उकेरी जाती है। कनाडा पोस्ट देश की प्रमुख डाक सेवा प्रदाता कंपनी है। यह 2017 से हर साल दिवाली की थीम पर आधारित डाक टिकट जारी करती है। कनाडा में रहते हैं 18 लाख भारतवंशी भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, कनाडा में लगभग 18 लाख भारतवंशी रहते हैं।

रिश्तेदारों की मांग- आरोपियों को दी जाए फांसी; टीएमसी ने भाजपा की चुप्पी पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में कथित तौर पर दुष्कर्म और उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर के रिश्तेदारों ने मांग की है कि सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम का जिक्र है, उन्हें फांसी की सजा दी जाए। सतारा के फलटण शहर में एक सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल में तैनात 28 साल की डॉक्टर ने गुरुवार को एक होटल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला डॉक्टर ने अपनी हथेली पर एक नोट छोड़ा, जिसमें उसने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर पर दुष्कर्म करने और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर मानसिक रूप से उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। 'अस्पताल में डॉक्टर पर मेडिकल रिपोर्ट बदलने का डाला जाता था दबाव' एक रिश्तेदार ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि उसने उत्पीड़न के बारे में कई बार शिकायत की थी, लेकिन उसकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। एक अन्य रिश्तेदार ने कहा, 'पुलिस ने हमें घटना (आत्महत्या) के बारे में बताया और हम अस्पताल गए (जहां शव लाया गया था)। एक डॉक्टर होने के नाते, मैंने उनसे कहा कि मैं पोस्टमार्टम के समय मौजूद रहूंगा। उस समय मैंने उसकी हथेली पर सुसाइड नोट देखा और यह बात पुलिस को बताई। मैंने सुझाव दिया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम करना चाहिए।' एक तीसरे रिश्तेदार ने दावा किया कि पीड़िता पर अस्पताल में मेडिकल रिपोर्ट बदलने का दबाव डाला जा रहा था जहां वह काम करती थी। मेडिकल अफसर पर भी प्रताड़ित करने के आरोप रिश्तेदारों ने दावा किया कि, 'फलटण में राजनीतिक लोग अक्सर उस पर मेडिकल रिपोर्ट बदलने के लिए दबाव डालते थे, क्योंकि वह नियमित रूप से पोस्टमार्टम ड्यूटी पर रहती थी। उसने पुलिस सब-इंस्पेक्टर (जिसका नाम नोट में है) के खिलाफ कई बार शिकायत की थी, लेकिन उसकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया।' रिश्तेदारों ने एक मेडिकल अफसर पर भी डॉक्टर को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। दावा किया कि मेडिकल अफसर द्वारा बार-बार महिला डॉक्टर को पोस्टमार्टम ड्यूटी पर लगाया जाता था। रिश्तेदार ने कहा, 'सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना ही काफी नहीं है। डॉक्टर और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए उन्हें फांसी दी जानी चाहिए।' महिला डॉक्टर को सांसद से मिलवाने वाले पीए की पहचान का खुलासा करने की मांग शिवसेना (वइळ) नेता अंबादास दानवे ने डॉक्टर की आत्महत्या मामले को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। दानवे ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'लाडकी बहिन' से ज्यादा महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। अगर फडणवीस के संरक्षण में पले-बढ़े लोग इस तरह से महिलाओं को परेशान कर रहे हैं, तो फडणवीस गृह मंत्री के तौर पर फेल हो गए हैं और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।' विधान परिषद में पूर्व नेता प्रतिपक्ष दानवे ने उन दो ढअ की पहचान के बारे में भी पूछा, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने महिला डॉक्टर को फोन पर एक सांसद से मिलवाया था। उन्होंने यह पूछा, 'डीन या सुपरिटेंडेंट (अस्पताल के) ने महिला डॉक्टर की शिकायत पर क्या कार्रवाई की?' दानवे ने राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया राहटकर से इस मामले में दखल देने की अपील की।

एसआईटी ने तीन कार्यकताओं को भेजा समन, हाजिर न होने पर जारी होगा गिरफ्तारी वारंट

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक के धर्मस्थल में कथित तौर पर शवों को दफनाने के मामले में जांच कर रही एसआईटी ने तीन कार्यकताओं को समन भेजा है। एसआईटी सबूतों से छेड़छाड़ के आरोपों की दिशा में आगे बढ़ रही है। कर्नाटक के धर्मस्थल मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने तीन कार्यकताओं महेश शेट्टी थिमरोडी, टी. जयंत और गिरीश मट्टनावर को सोमवार को हाजिर होने के लिए समन जारी किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अगर ये तीनी कार्यकर्ता एसआईटी के सामने उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ गिरफ्तार वारंट जारी किया जाएगा। धर्मस्थल में कथित रूप से कई लोगों के शवों को गोपनीय तरीके से दफनाया गया था। मामले में एसआईटी की जांच अब सबूतों से छेड़छाड़ल जैसे गंभीर पहलुओं तक पहुंच गई है। एसआईटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच अपने निर्णायण चरण में पहुंच चुकी है और लगभग पूरी होने वाली है। यह मामला अगस्त 2025 में तब शुरू हुआ, जब मंदिर में 1995 से 2014 तक सफाईकर्मी रहे चिनैया ने शिकायत दर्ज कराई कि 2002 से 2014 के बीच मंदिर परिसर में 200 से अधिक अज्ञात शवों को गोपनीय तरीके से दफनाया गया था। चिनैया का आरोप था कि इन शवों में वे लोग थे जिनकी सड़क हादसे, हत्या और संदिग्ध परिस्थितियो में मौत हुई थी। कई शवों को कथित तौर पर बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट या पुलिस जांच के दफनाया गया था ताकि गड़बड़ियों को छिपाया जा सके। उसने एक इंसानी खोपड़ी को सबूत के रूप में पेश किया, जिसके बारे में उसका दावा था कि यह उसी स्थान से मिली है। इस खुलासे से लाखों श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश फैला और राज्य सरकार ने तत्काल प्रनब मोहंती की अगुवाई में एसआईटी गठित की।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव पर बातचीत का दूसरा दौर आज तुर्किये में

आतंकवाद के मुद्दे पर होगी चर्चा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के अधिकारी सीमा तनाव कम करने और अफगान धरती से होने वाली आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए आज इस्तांबुल में दूसरा दौर की बातचीत करेंगे। पाकिस्तान चाहता है कि टीटीपी और बीएलए जैसे आतंकियों पर ठोस कार्रवाई हो और इसके लिए एक सत्यापनीय निगरानी तंत्र बनाया जाए। यह बैठक कतर और तुर्किय की मध्यस्थता में हो रही है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी तनाव को देखते हुए दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीमा तनाव कम करने और अफगान जमीन से होने वाली आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए बातचीत का दूसरा दौर आज (शनिवार) तुर्किये के इस्तांबुल में होने जा रहा है। यह बैठक कतर और तुर्किये की मध्यस्थता में आयोजित की जा रही है। इससे पहले दोनों देशों के बीच बातचीत का पहला दौर 19 अक्तूबर को दोहा (कतर) में हुआ था, जिसके बाद सीमा पर अस्थायी शांति बहाल हुई थी। उस बैठक में दोनों पक्षों ने सहमति जताई थी कि अगली वार्ता 25 अक्तूबर को इस्तांबुल में होगी, ताकि आपसी सुरक्षा चिंताओं को सुलझाने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ाई जा सके। बता दें कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि तय कार्यक्रम के अनुसार वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान चाहता है कि आतंकी गतिविधियों की निगरानी के लिए एक ठोस और सत्यापनीय निगरानी तंत्र बनाया जाए, ताकि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान पर हो रहे हमलों को रोका जा सके और निर्दोष लोगों की जानें बचाई जा सकें। अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान एक जिम्मेदार देश है और क्षेत्र में शांति व स्थिरता चाहता है। हमारा मकसद तनाव बढ़ाना नहीं है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।